तापमान
अधिकतम 30 .5 डिग्री
न्यूनतम 17 .5 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार 8 नवंबर 2026
कुरुक्षेत्र - यमुनानगर



कृष्णपुरा पार्क में होती है असामाजिक गतिविधिया

पानीपत। कृष्णपुरा रेजीडेंस वेलफेयर एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल वार्ड वासियों के साथ पुलिस चौकी में जाकर प्रभारी से मिला और कृष्णपुरा के पार्क की बाउंड्री वॉल नीचे होने के कारण रात को असामाजिक तत्वों द्वारा दीवार फांद कर पार्क में अनैतिक गतिविधियां करने पर लगाम कसने व उनके खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई व कृष्णपुरा में रात्रि गश्त करवाने की मांग की। वहीं, एसोसिएशन के प्रधान नरेंद्र जसिया, यशपाल पंवार, अजय चौधरी, ललित पंवार, जयपाल, मोहन शर्मा, विनोद कुमार, अमीरचंद, पपल सैनी, चंद्र खुराना, मुकेश भारद्वाज, प्रवीण, डॉ मोनू, राजेश कादियान आदि रहे।

श्री ब्रह्मस्वरूप ब्रह्मचारी जी महाराज, अध्यक्ष
श्री जयराम आश्रम एवं जयराम शिक्षण संस्थाएं
की तरफ से सभी कुरुक्षेत्र जिला वासियों को
दीपावली
एवम् भैया दूज की
हार्दिक शुभकामनाएं



श्रीजय राम विद्यापीठ एवं जयराम शिक्षण संस्थान, कुरुक्षेत्र

ADESH
Wishing you all a very Happy
Diwali
May this festival of lights Brighten your path
& bring abundant Health & Prosperity



Compassionate Care
State-of-Art facilities
Highly Skilled Medical Professionals



Contact us for more info
+91-8222954219, 7419868001
Vill. Mohri, NH-44, Shahabad (M), Distt. Kurukshetra, Haryana
info@amch.ac.in | www.amch.ac.in

HOLY MOTHER PUBLIC SCHOOL
(Affiliated to C.B.S.E., Delhi) Kansapur, Yamuna Nagar
NEW HAPPY SR. SEC. SCHOOL
(Permanent Recognised from H.B.S.E.) Luxmi Garden, Yamuna Nagar
सभी जिलेवासियों को दीपावली,
विश्वकर्मा दिवस
एवं भाईदूज की
हार्दिक शुभकामनाएँ



Vishwas Kashyap
Secretary



G.S. Sharma
Chairman

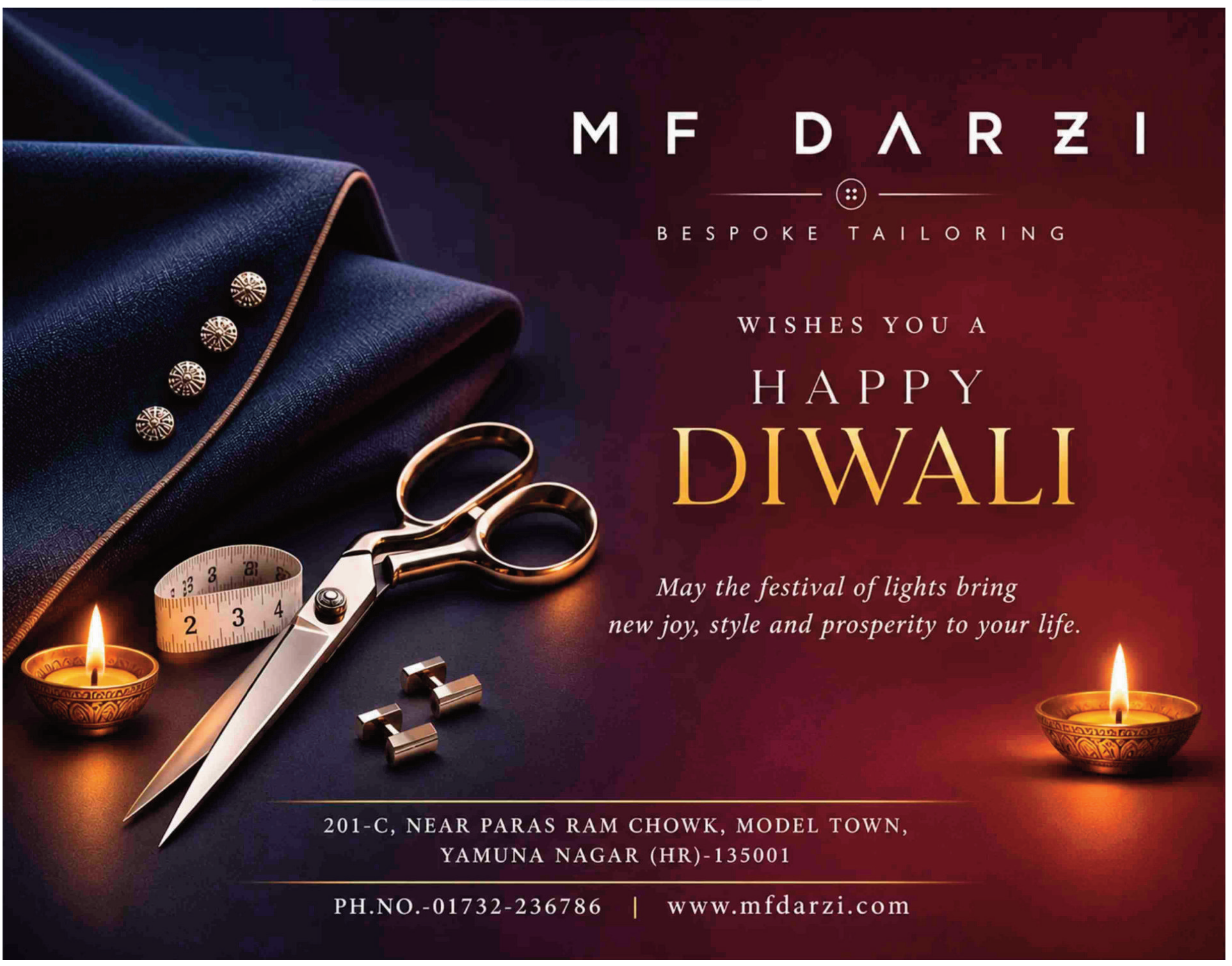
दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ
SWAMI VIVEKANAND
MULTISPECIALITY HOSPITAL
स्वामी विवेकानन्द मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल
यमुनानगर, हरियाणा



गर्व से घोषणा है कि अस्पताल ने
कैंसर रोगियों के लिए पूरी तरह
कार्यात्मक सुविधा के रूप में
अपनी रेडियोथेरेपी इकाई
शुरू कर दी है। यह यमुनानगर जिले
में अपनी तरह का पहला
अस्पताल है।
TOLL FREE NUMBER
1800-120-0961

We have Empanelments with ECHS, ESI, DGHS, Aayushman Bharat, Star Health, Care Insurance, Medi Assist & almost all private Insurance Companies

WORKSHOP ROAD, THAPAR COLONY, YAMUNA NAGAR
MB. : 70829-00961



यमुना नगर दीपावली विशेषांक 2026 यमुना नगर









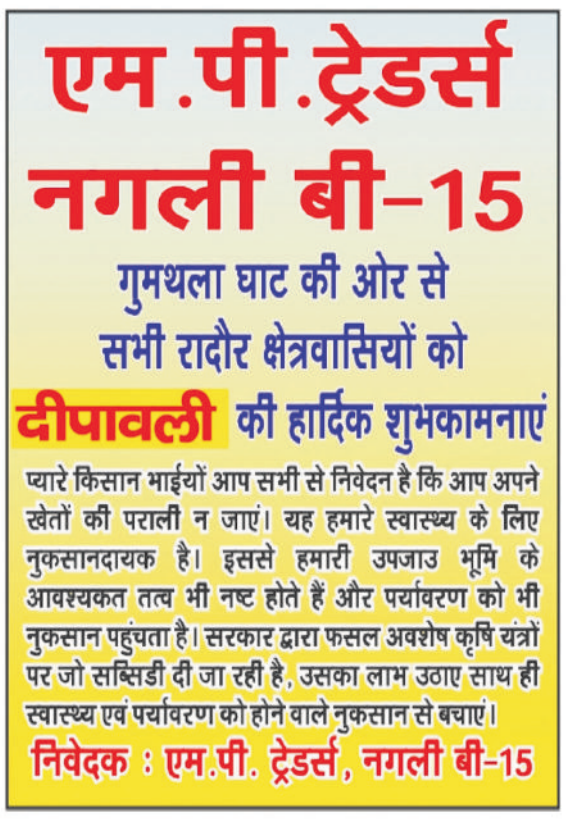






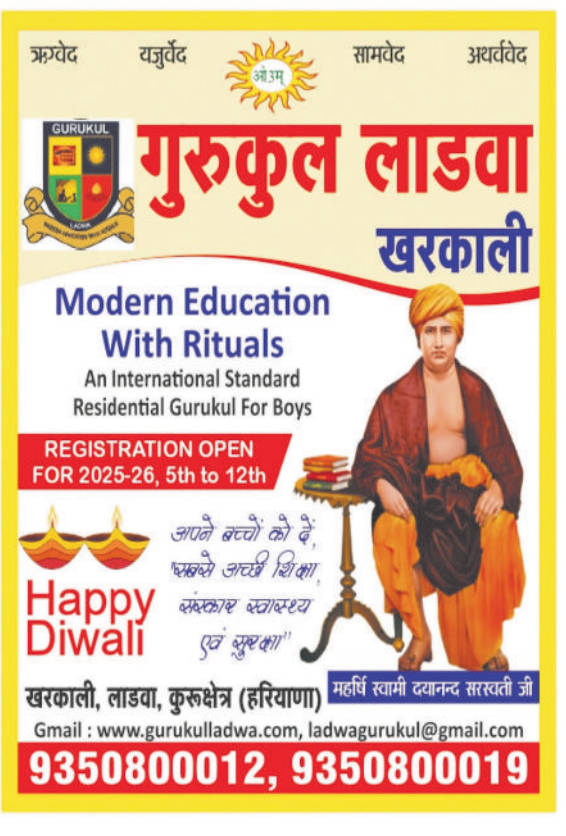












सामाजिक जिम्मेदारी और आपसी सद्भाव के साथ मनाया जाए दीपावली पर्व

दीपों की रोशनी से जगमगाए हर आंगन, खुशियों से महके हर जीवन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पिहोवा

दीपावली खुशियों, उल्लास और आपसी प्रेम का पर्व है। बदलते समय के साथ दीपावली मनाने के तौर-तरीकों में भी बदलाव आया है। ऐसे में यह जरूरी है कि त्योहार की परंपराओं को कायम रखते हुए इसे सामाजिक जिम्मेदारी और आपसी सद्भाव के साथ मनाया जाए। दीपावली को लेकर शहर के कुछ प्रमुख लोगों से की गई बातचीत में उन्होंने बताया कि त्योहार का वास्तविक आनंद दूसरों के चेहरों पर मुस्कान लाने में है। जिला परिषद की अध्यक्ष कंवलजीत कौर ने कहा कि दीपावली पर घरों को सजाने, दीप जलाने और परिवार के साथ समय बिताने की परंपरा को प्राथमिकता देनी चाहिए। त्योहार के नाम पर अनावश्यक खर्च और दिखावे से बचते हुए जरूरतमंद परिवारों की सहायता करनी चाहिए। किसी जरूरतमंद के घर पहुंचकर भी दीपावली की खुशियां साझा की जा सकती हैं। गांव धनीरामपुरा के सरपंच विकल कुमार चौबे ने कहा कि दीपावली केवल घरों को रोशन करने का पर्व नहीं, बल्कि आपसी रिश्तों में मिठास घोलने का अवसर भी है। परिवार के सदस्यों के साथ समय बिताना, पुराने गिले-शिकवे दूर करना और समाज में प्रेम का संदेश देना इस पर्व की सुंदरता को और बढ़ाता है। दीपावली पर जरूरतमंद परिवारों की सहायतार्थ आगे आना चाहिए। किसी गरीब के घर में खुशियां पहुंचाना भी दीप जलाने के समान है। मिलजुल कर त्योहार पर सेवा और सहयोग की भावना को बढ़ावा देना। नगर पालिका के पूर्व प्रधान अशोक सिंगला का कहना है कि पटाखों का प्रयोग करते समय सुरक्षा का ध्यान रखना जरूरी है। तेज आवाज वाले पटाखों से बुजुर्गों, छोटे बच्चों और बीमार लोगों को परेशानी हो सकती है। इसलिए दीपावली को ऐसा स्वरूप देना चाहिए, जिसमें खुशियां किसी दूसरे के लिए परेशानी का कारण न बनें।



पिहोवा। बाजारों में सजे मिठाइयों के स्टॉल।

बच्चों को त्योहार की परंपराओं से परिचित कराना जरूरी

भाजपा के मंडल अध्यक्ष प्रिंस मंगला ने कहा कि दीपावली पर घर की सजावट और पकवानों के साथ-साथ बच्चों को त्योहार की परंपराओं और संस्कारों से परिचित करवाना भी जरूरी है ताकि सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्योहारों का आनंद लिया जा सके भाजपा मंडल महामंत्री गुलशन शर्मा ने कहा कि दीपावली को पर्यावरण के अनुकूल मनाने की जरूरत है। मिट्टी के दीपक जलाकर, स्वदेशी वस्तुओं को अपनाकर और जरूरतमंदों की मदद करके त्योहार को यादगार बनाया जा सकता है। खुशियां बांटना ही दीपावली का सबसे सुंदर संदेश है। दीपावली का त्योहार हमें मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम के आदर्शों, सत्य की विजय और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। घरों में दीप प्रज्वलित करने, बड़ों का आशीर्वाद लेने और परिवार के साथ मिलकर त्योहार मनाने की परंपरा को आगे बढ़ाना चाहिए।

विद्यार्थियों ने बनाई मनमोहक रंगोलियां

गीता निकेतन विद्या मंदिर में हर्षोल्लास से मनाया दीपावली उत्सव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र



गीता निकेतन विद्या मंदिर, सेक्टर-3 में दीपावली का पावन पर्व हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन शिवाजी सदन के तत्वावधान में किया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में उत्सवमय वातावरण देखने को मिला। विद्यार्थियों ने विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपनी प्रतिभा एवं कलात्मक कौशल का सुंदर प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों ने आकर्षक एवं मनमोहक रंगोलियाँ बनाईं तथा विभिन्न रंगों और सजावटी सामग्रियों से दीपों को सजाकर अपनी सृजनात्मकता का परिचय दिया। रंग-बिरंगी रंगोलियों और सुंदर दीप सज्जा ने सभी का मन मोह लिया। विद्यार्थियों ने अपनी कल्पनाशीलता के माध्यम से भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं की सुंदर झलक प्रस्तुत की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय पर्वों के सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक महत्व से परिचित कराना तथा उनमें रचनात्मकता, सहयोग, स्वच्छता और सांस्कृतिक मूल्यों का विकास करना था। विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री सोमनाथ चौधरी ने विद्यार्थियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों की छिपी प्रतिभा को निखारने के साथ-साथ उन्हें अपनी संस्कृति एवं परंपराओं से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने सभी को दीपावली की शुभकामनाएँ देते हुए स्वच्छ, सुरक्षित एवं पर्यावरण अनुकूल दीपावली मनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम का संचालन शिवाजी सदन द्वारा सुव्यवस्थित ढंग से किया गया। अंत में सभी ने हर्षोल्लास के साथ दीपावली की शुभकामनाओं का आदान-प्रदान किया।

धूमधाम से मनाया हनुमान जन्मोत्सव

- सिद्धपीठ श्रीदक्षिण मुखी प्राचीन हनुमान मंदिर में कार्यक्रम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र



हनुमान जन्मोत्सव के पावन अवसर पर ब्रह्मसरोवर स्थित सिद्धपीठ श्री दक्षिण मुखी प्राचीन हनुमान मंदिर में भव्य धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन अत्यंत हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ किया गया। इस गौरवमयी उत्सव में क्षेत्र के हजारों श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और बजरंगबली का आशीर्वाद प्राप्त किया। मुख्य पुजारी डॉ हिमांशु शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह मारुति नंदन के विशेष श्रृंगार, महाआरती और पूजा-अर्चना के साथ हुआ। इसके पश्चात मंदिर परिसर में पीठाधीश पंडित प्रेम कुमार शर्मा द्वारा सुंदरकांड का सामूहिक पाठ आयोजित किया गया। सुमधुर भजनों और सुंदरकांड की चौपाइयों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। इस आध्यात्मिक पाठ में बड़ी संख्या में पहुंचे भक्तों ने पूरे मनोयोग से हिस्सा लिया, जिससे पूरा मंदिर परिसर 'जय श्री राम' और 'जय बजरंगबली' के गगनभेदी जयकारों से गुंजायमान रहा। मुख्य पुजारी डॉ हिमांशु शर्मा ने बताया कि हनुमान जन्मोत्सव के इस विशेष उपलक्ष्य में प्रभु को छप्पन भोग का भव्य अर्पण किया गया। रंग-बिरंगे और स्वादिष्ट व्यंजनों से सजे छप्पन भोग के अलौकिक दर्शन पाकर श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। मंदिर के मुख्य पुजारी हिमांशु शर्मा एवं प्रबंधक विजय कुमार शर्मा ने कार्यक्रम को भव्य रूप से सफल बनाने के लिए सभी क्षेत्रीय नागरिकों, श्रद्धालुओं और सेवादारों का हृदय से आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर माणिक शर्मा,शैलेश वत्स,सारांश, मानकी शर्मा,मन्नत शर्मा, दया शर्मा, बार कॉउन्सिल के पूर्व प्रधान धर्मेंद्र अत्रि, लालचंद, सुजीत, राहुल, संजय पटियाल लोकेश, अजय व बड़ी संख्या में भक्तजन उपस्थित रहे।

दीपावली सभी के जीवन में सुख समृद्धि लेकर आए : अंकित गुप्ता



कुरुक्षेत्र। ऑल इंडिया लॉयर्स फोरम के प्रदेश महासचिव एवं विश्व मानवाधिकार सुरक्षा आयोग के राष्ट्रीय सदस्य एडवोकेट अंकित गुप्ता ने दीपावली के पावन अवसर पर सभी नगरवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि दीपावली खुशियों, आपसी भाईचारे और सद्भाव का पर्व है। यह त्योहार सभी के जीवन में सुख-समृद्धि और खुशहाली लेकर आए। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए ग्रीन पटाखों का ही प्रयोग करें तथा सुरक्षित और प्रदूषण मुक्त दीपावली मनाने में अपना योगदान दें।

बुजुर्गों के साथ भजन गायन कर बांटी दीवाली की खुशियां

पानीपत। वरिष्ठ नागरिकों के जीवन में खुशियों के रंग भरने, उन्हें आध्यात्मिक शांति प्रदान करने और आपसी मेलजोल को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से इनर व्हील क्लब पानीपत मिडटाउन की ओर से सीनियर केयर टच द रूट्स, स्प्रेड द जॉय' परियोजना के तहत सत्संग व आनंदमयी मिलन कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम में वरिष्ठ नागरिकों, जिनमें महिला एवं पुरुष दोनों शामिल थे, ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत कंवल आहुजा के निवास स्थान पर सत्संग और प्रभु-सिमरन से हुई। सभी वरिष्ठ नागरिकों ने श्रद्धा एवं भक्ति भाव से भगवान का नाम लिया। भक्ति और आध्यात्मिक वातावरण में कुछ पल बिताकर सभी ने आत्मिक शांति और आनंद का अनुभव किया।



21 कुंडलीय महायज्ञ के साथ मनाया भगवान धन्वंतरि दिवस

- चिकित्सकों ने आहुतियां डालकर सभी के स्वस्थ, सुखी एवं निरोगी जीवन की कामना की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र



नेशनल इंटीग्रेटेड मेडिकल एसोसिएशन (नीमा) कुरुक्षेत्र की ओर से भगवान धन्वंतरि दिवस श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर 21 कुंडलीय महायज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें चिकित्सकों ने आहुतियां डालकर सभी के स्वस्थ, सुखी एवं निरोगी जीवन की कामना की। कार्यक्रम में भगवान धन्वंतरि का पूजन कर हवन-यज्ञ किया गया। चिकित्सकों ने कहा कि भगवान धन्वंतरि को आयुर्वेद एवं चिकित्सा विज्ञान का जनक माना जाता है। उनका जीवन मानवता की सेवा और रोगियों को स्वस्थ जीवन प्रदान करने की प्रेरणा देता है। इस अवसर पर सभी को दीपावली एवं भगवान धन्वंतरि दिवस की शुभकामनाएं भी दी गईं। कार्यक्रम में वैश्य अग्रवाल सभा के प्रधान विशाल सिंगला, डॉ. अमित बंसल (सर्जन), डॉ. रमणीक सहगल और डॉ. मुनीश शर्मा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति एवं चिकित्सक उपस्थित रहे। इस अवसर पर डॉ. मनीष गोयल, डॉ. विमल शर्मा, डॉ. प्रवीण शर्मा, डॉ. वंदना कटारिया, डॉ. पवन वशिष्ट, डॉ. दिनेश, डॉ. राजीव अत्री, डॉ. सुरेश शर्मा, डॉ. मदन खन्ना, डा. तुलसी सरदाना, डा. पीयूष अग्रवाल, डॉ. मोहित शर्मा, डॉ. अमन, डॉ. नरोतम नीर, डॉ. दर्शन सिंगला, डॉ. नीरज, डा. प्रदलाद, डॉ. सुरेन्द्र सहाय सहित अन्य चिकित्सक मौजूद रहे। सभी ने कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लिया और समाज के स्वस्थ जीवन की कामना की।

संस्कार केंद्र को बच्चों ने मिट्टी के दीपकों को सजाया



कुरुक्षेत्र। संस्कार केंद्र में दीपावली का पावन पर्व बड़े ही हर्षोल्लास, उत्साह एवं श्रद्धा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर केंद्र के बच्चों, केंद्र की संचालिका, केंद्र संरक्षक आचार्या विद्यालय के वर्तमान छात्र और पूर्व छात्रों ने भी इस आयोजन में उत्साह पूर्वक भाग लिया । कार्यक्रम का शुभारंभ माँ लक्ष्मी एवं भगवान श्री गणेश के पूजन के साथ किया गया। बच्चों को दीपावली पर्व के धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक महत्व के बारे में बताया गया। उन्हें भगवान श्रीराम के 14 वर्ष के वनवास के पश्चात अयोध्या लौटने तथा उनके स्वागत में दीप जलाने की परंपरा के बारे में जानकारी दी गई। इस अवसर पर बच्चों द्वारा सुंदर रंगोली बनाई गई तथा मिट्टी के दीपकों को सजाया गया। सभी को स्वच्छता, आपसी प्रेम, भाईचारे, पर्यावरण संरक्षण तथा सुरक्षित एवं प्रदूषणमुक्त दीपावली मनाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों में भारतीय संस्कृति, संस्कार, परंपराओं एवं नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता विकसित करने का प्रयास किया गया। अंत में सभी बच्चों को मिठाई वितरित की गई तथा सभी के सुख, समृद्धि एवं मंगलमय जीवन की कामना की गई। इस प्रकार संस्कार केंद्र में दीपावली उत्सव आनंद, उल्लास एवं संस्कारमय वातावरण में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।



कार्यक्रम उदयन शालिनी फैलोशिप ने मनाया दिवाली उत्सव

छात्राओ को कौशल को निखारने और निरंतर नई-नई चीजें सीखने के लिए किया प्रेरित

- शालिनियों को आपसी संपर्क बनाने के महत्व और इसके लाभों के बारे में बताया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र



उदयन शालिनी फैलोशिप (यूएसएफ), कुरुक्षेत्र द्वारा दीपावली पूर्व उत्सव का आयोजन अध्याय संयोजक डॉ. सुषमा शर्मा के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर मुख्य समिति की सदस्य डॉ. सुनीता दलाल, प्रोफेसर बायोटेक्नोलॉजी एवं पीजीटी कला सुरेंद्र सर भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत डॉ. सुषमा शर्मा के संबोधन से हुई। उन्होंने सभी शालिनियों को दीपावली की शुभकामनाएं दीं तथा उन्हें अपने कौशल को निखारने और निरंतर नई-नई चीजें सीखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि स्वयं को बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयास करते रहना चाहिए। डॉ. सुनीता दलाल ने शालिनियों को आपसी संपर्क बनाने के महत्व और इसके लाभों के बारे में बताया।

एक दूसरे की सहायता के लिए आगे बढ़ना चाहिए

उन्होंने कहा कि सभी शालिनियों को आपस में जुड़कर, एक-दूसरे की सहायता करते हुए आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने आपसी सहयोग और मजबूत संबंध बनाने के लिए भी प्रेरित किया। इसके पश्चात पीजीटी सुरेंद्र सर के मार्गदर्शन में दीपक बनाने की प्रतियोगिता आयोजित की गई। इस गतिविधि के माध्यम से शालिनियों को रचनात्मकता के साथ-साथ मिल-जुलकर कार्य करने का महत्व भी सीखने को मिला। सभी शालिनियों ने उत्साहपूर्वक प्रतियोगिता में भाग लिया और अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम में यूसी आईटी सेंटर के सदस्यों एवं शालिनियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया प्रतियोगिता में बैच 19 की जेमिका ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि बैच 17 की सिमरन एवं बैच 20 की डिंपल संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान पर रहीं। वहीं, बैच 17 की नमिका ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त बैच 20 की भावना और मुस्कान ने रंगोली बनाकर अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के अंत में मुख्य समिति के सदस्य श्री दीपक चिब एवं श्रीमती समीना चिब की ओर से सभी शालिनियों को दीपावली के उपहार स्वरूप फाइल फोल्डर एवं कलम भेंट किए गए। इस पहल से शालिनियों का उत्साह बढ़ा और उन्हें पढ़ाई एवं अन्य शैक्षणिक गतिविधियों के लिए उपयोगी उपहार प्राप्त हुए।



लिक्विड फंड चुनने में रिटर्न नहीं, पोर्टफोलियो का दम देखें

- 36 फंडों के एक साल के रिटर्न में सिर्फ 0.80% अंक का अंतर
- फ्रैंकलिन, यूनियन और टाटा लिक्विड फंड ने बनाई अहम जगह
- एक साल में 6.42 से 6.52 प्रतिशत तक रहा रिटर्न
- तीन फंडों ने रिटर्न के साथ जोखिम प्रबंधन में भी दिखाया संतुलन

विश्लेषण में दिए गए आंकड़े डायरेक्ट ग्रोथ प्लान के हैं। तीनों फंडों के रिटर्न में अंतर बहुत कम है। उदाहरण के लिए, फ्रैंकलिन के 6.49 प्रतिशत और टाटा के 6.43 प्रतिशत रिटर्न के बीच एक लाख रुपये के निवेश पर एक साल में करीब 57 रुपये का अंतर बनता है। इसलिए केवल मामूली अधिक रिटर्न के आधार पर फंड चुनना उचित नहीं है। लिक्विड फंड में भी क्रेडिट जोखिम और ब्याज दर से जुड़ा जोखिम हो सकता है। इनका रिटर्न निश्चित नहीं होता और यह बैंक जमा की तरह गारंटीड नहीं है। निवेश से पहले अपनी जरूरत, निवेश की अवधि और जोखिम क्षमता का आकलन करें तथा जरूरत पड़ने पर वित्तीय सलाहकार से परामर्श लें।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

बचत खाते में पैसा रखने के बजाय बेहतर रिटर्न की तलाश करने वाले निवेशकों के लिए लिक्विड म्यूचुअल फंड एक विकल्प हो सकते हैं। ये फंड आमतौर पर 91 दिनों तक की परिपक्वता वाली ऋण प्रतिभूतियों में निवेश करते हैं। कम अवधि के कारण इनमें ब्याज दरों में बदलाव का असर अपेक्षाकृत जल्दी दिखाई दे सकता है। हालांकि, इन्हें बैंक की सावधि जमा की तरह पूरी तरह जोखिम-मुक्त नहीं माना जाना चाहिए। ऐसे में लिक्विड फंड चुनते समय केवल पिछले रिटर्न के बजाय उसके पोर्टफोलियो, खर्च और जोखिम के पैमानों को समझना जरूरी है। फाइनेंशियल एक्सप्रेस में प्रकाशित इक्विटीमास्टर के विश्लेषण के अनुसार, पिछले एक साल में लिक्विड फंड श्रेणी का औसत मध्य रिटर्न 6.42 प्रतिशत रहा। कम से कम तीन साल का रिकॉर्ड रखने वाले 36 फंडों में सबसे बेहतर रिटर्न 6.52 प्रतिशत और सबसे कम 5.72 प्रतिशत रहा। यानी दोनों के बीच केवल 0.80 प्रतिशत अंक का अंतर था। ऐसे में निवेश का फैसला करते समय फंड के पोर्टफोलियो और जोखिम अनुपात की भूमिका अहम हो जाती है। विश्लेषण में एक साल के रिटर्न के साथ मानक विचलन, शार्प और सॉर्टिनो अनुपात को भी आधार बनाया गया। इसी आधार पर तीन लिक्विड फंड सामने आए।

1. फ्रैंकलिन इंडिया लिक्विड फंड

फ्रैंकलिन इंडिया लिक्विड फंड ने एक साल में 6.49% रिटर्न दिया। 36 फंडों में इसका स्थान तीसरा रहा। शार्प अनुपात 1.99 के साथ यह छठे स्थान पर रहा। छह महीने के प्रदर्शन में इसने 3.21% रिटर्न दिया, जो इन तीनों फंडों में सबसे अधिक था। इसके पोर्टफोलियो का करीब 81% हिस्सा ए1+ रेटिंग वाली प्रतिभूतियों में है। इसके अलावा 3.8 प्रतिशत एएए रेटिंग वाले निवेश और 0.5 प्रतिशत ट्रेजरी बिल में है। करीब 14.7% हिस्सा नकदी और कॉल मनी में रखा गया है। तीनों फंडों में इसका नकदी हिस्सा सबसे अधिक है। इसकी औसत परिपक्वता अवधि 35 दिन और पोर्टफोलियो यील्ड 6.34 प्रतिशत है। डायरेक्ट सुपर इंस्टीट्यूशनल प्लान का आधार व्यय अनुपात 0.12% बताया गया है।



2. यूनियन लिक्विड फंड

यूनियन लिक्विड फंड ने एक साल में 6.44 प्रतिशत रिटर्न दिया और 36 फंडों में 14वां स्थान हासिल किया। हालांकि, इसका शार्प अनुपात 2.02 रहा, जो इन तीनों में सबसे बेहतर है। इसका मानक विचलन 0.22 प्रतिशत रहा, जो तीनों फंडों में सबसे कम है। फंड के पोर्टफोलियो का करीब 91 प्रतिशत हिस्सा ए1+ रेटिंग वाली प्रतिभूतियों में है। इसमें 15.2 प्रतिशत सरकारी प्रतिभूतियां और 5.4 प्रतिशत एएए रेटिंग वाले निवेश शामिल हैं। इसका पोर्टफोलियो यील्ड 6.58 प्रतिशत है, जो इन तीनों में सबसे अधिक है। डायरेक्ट प्लान का खर्च अनुपात 0.06 से 0.07 प्रतिशत के बीच है। इसकी औसत परिपक्वता अवधि करीब 58 दिन है।

3. टाटा लिक्विड फंड

टाटा लिक्विड फंड ने एक साल में 6.43 प्रतिशत रिटर्न दिया। शार्प अनुपात 1.95 रहा। इसका मानक विचलन 0.23 प्रतिशत है। पोर्टफोलियो का करीब 85 प्रतिशत हिस्सा ए1+ रेटिंग वाली प्रतिभूतियों में और 17 प्रतिशत सरकारी प्रतिभूतियों में है। इसकी औसत परिपक्वता अवधि 53 दिन और पोर्टफोलियो यील्ड 6.44 प्रतिशत है। तीनों फंडों में इसका आकार सबसे बड़ा है। यह सितंबर 2004 में शुरू हुआ था। हालांकि, इसका डायरेक्ट प्लान खर्च अनुपात 0.19 प्रतिशत है, जो इन तीनों में सबसे अधिक है।

निवेश से पहले इन बातों का रखें ध्यान

लिक्विड फंड चुनते समय केवल एक साल के रिटर्न को आधार बनाना सही नहीं है। फंड की प्रतिभूतियों की रेटिंग, पोर्टफोलियो में सरकारी निवेश की हिस्सेदारी, औसत परिपक्वता अवधि और खर्च अनुपात को भी देखना चाहिए। शार्प और सॉर्टिनो अनुपात से जोखिम के मुकाबले मिले रिटर्न को समझने में मदद मिलती है। विश्लेषण में दिए गए आंकड़े डायरेक्ट ग्रोथ प्लान के हैं। तीनों फंडों के रिटर्न में अंतर बहुत कम है। उदाहरण के लिए, फ्रैंकलिन के 6.49 प्रतिशत और टाटा के 6.43 प्रतिशत रिटर्न के बीच एक लाख रुपये के निवेश पर एक साल में करीब 57 रुपये का अंतर बनता है। इसलिए केवल मामूली अधिक रिटर्न के आधार पर फंड चुनना उचित नहीं है।

कम कमाई में भी शुरू करें निवेश, वेतन बढ़ने पर बचत की रकम बढ़ाएं

युवा कैसे बचाएं पैसे, ये सात टिप्स निभाएंगे अहम भूमिका

जानकारी
बिजनेस डेस्क

करियर की शुरुआत में कम वेतन के कारण कई युवा बचत और निवेश को टालते रहते हैं। उन्हें लगता है कि अच्छी कमाई शुरू होने के बाद ही पैसा बचाया जा सकता है। लेकिन आर्थिक मजबूती के लिए बड़ी आय से ज्यादा जरूरी है बचत की आदत और समय पर निवेश की शुरुआत। एक 26 वर्षीय युवा की वित्तीय यात्रा बताती है कि कैसे 18 हजार रुपये महीने की कमाई से शुरुआत करके तीन साल में सालाना 50 लाख रुपये के कंपनी पैकेज तक पहुंचा जा सकता है और निवेश के जरिए अच्छी-खासी संपत्ति बनाई जा सकती है। वर्ष 2023 में इस युवा का मासिक वेतन करीब 18 हजार रुपये था। उन्होंने शुरुआत में ही पांच हजार रुपये की मासिक एसआईपी शुरू कर दी। तीन साल में उनका सालाना पैकेज बढ़कर 50 लाख रुपये हो गया और वित्तीय संपत्ति करीब 65 से 75 लाख रुपये तक पहुंच गई। इस दौरान मई 2026 में नौकरी भी चली गई, लेकिन आपातकालीन बचत ने आर्थिक मुश्किलों से निपटने में मदद की। इस अनुभव से युवा सात अहम सबक सीख सकते हैं।

आपातकालीन कोष बनाएं

अच्छी नौकरी और ऊंचा वेतन भी नौकरी जाने के जोखिम को खत्म नहीं करते। इसलिए कम से कम छह महीने के जरूरी खर्च के बराबर रकम अलग रखें। इसे बचत खाते, सावधि जमा या ऐसे सुरक्षित विकल्पों में रखें, जहां जरूरत पड़ने पर पैसा आसानी से मिल सके। इस रकम को शेयर बाजार जैसे जोखिम वाले निवेश में न लगाएं। संबंधित युवा के पास नौकरी जाने के समय छह लाख रुपये का आपातकालीन कोष था, जिसे बाद में बढ़ाकर सात से आठ लाख रुपये कर लिया गया।

5. सीटीसी और हाथ में आने वाले वेतन का अंतर समझें

कंपनी का सालाना पैकेज यानी सीटीसी बैंक खाते में आने वाली रकम नहीं होता। इसमें मूल वेतन के अलावा बोनस, भविष्य निधि, कंपनी के शेयर और दूसरी सुविधाएं शामिल हो सकती हैं। इसलिए नौकरी बदलते समय केवल बड़े पैकेज से प्रभावित न हों। कर और दूसरी कटौतियों के बाद हर महीने मिलने वाली वास्तविक रकम का हिसाब लगाएं। उसी के आधार पर खर्च, बचत और निवेश की योजना बनाएं।



वेतन बढ़ते ही जीवनशैली महंगी न करें

नौकरी में वेतन बढ़ने के साथ महंगे फोन, वाहन, कपड़े और बाहर खाने पर खर्च बढ़ाना आसान है। इसे जीवनशैली का विस्तार कहा जाता है। यदि हर वेतन वृद्धि के साथ खर्च भी उतनी ही तेजी से बढ़ेगा तो बचत सीमित रह जाएगी। वेतन बढ़ने पर पहले निवेश की रकम बढ़ाएं और फिर जरूरत के अनुसार खर्च तय करें।

पूरा पैसा एक ही निवेश विकल्प में न लगाएं

संपत्ति बनाने के लिए निवेश में विविधता जरूरी है। म्यूचुअल फंड, शेयर, सोना और सुरक्षित बचत विकल्पों में अपनी जोखिम क्षमता और लक्ष्य के अनुसार पैसा बांट सकते हैं। किसी एक शेयर या तेजी से मुनाफा देने वाले विकल्प के पीछे पूरी बचत न लगाएं। नियमित निवेश और लंबी अवधि का नजरिया अपनाएं। बाजार में उतार-चढ़ाव के कारण निवेश का मूल्य घट-बढ़ सकता है, इसलिए रिटर्न की गारंटी मानकर न चलें। आर्थिक योजना केवल अपनी जरूरतों और शौक तक सीमित नहीं होनी चाहिए।

कम कमाई हो तो भी बचत

निवेश शुरू करने के लिए बड़ी रकम का इंतजार न करें। नौकरी की शुरुआत में पांच सौ या एक हजार रुपये की बचत भी अच्छी आदत बन सकती है। नियमित निवेश से समय के साथ रकम बढ़ाने का अवसर मिलता है। शुरुआत छोटी हो सकती है, लेकिन उसे लगातार जारी रखना जरूरी है।

आय बढ़ाने पर भी दें ध्यान

बचत के लिए अनावश्यक खर्च कम करना जरूरी है, लेकिन केवल खर्च घटाकर बड़ी संपत्ति बनाना मुश्किल है। युवाओं को अपने कौशल और कार्यक्षमता बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। नए प्रशिक्षण, बेहतर नौकरी के अवसर और वेतन वृद्धि के लिए बातचीत आय बढ़ाने में मदद कर सकती है। कमाई बढ़ने पर बचत और निवेश की रकम भी बढ़ाएं।

दिवाली पर गोल्ड या सिल्वर ईटीएफ में कहां लगाएं पैसा?

● सोना देता है बाजार की उठापटक में सहारा ● चांदी में तेजी के साथ जोखिम भी ज्यादा ● पोर्टफोलियो में 10 से 15 प्रतिशत तक रखें कीमती धातुओं की हिस्सेदारी

तैयारी
बिजनेस डेस्क

दिवाली पर सोना खरीदना शुभ माना जाता है। इसी वजह से कई निवेशक त्योहार के मौके पर गोल्ड और सिल्वर में पैसा लगाने की योजना बनाते हैं। हालांकि, अब भौतिक सोने-चांदी के साथ एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) भी निवेश का एक विकल्प बन गए हैं। इनके जरिये निवेशक बिना धातु को खरीदे और संभालकर रखे, उसकी कीमतों में होने वाले बदलाव का लाभ ले सकते हैं। लेकिन सवाल यह है कि इस दिवाली गोल्ड ईटीएफ बेहतर रहेगा या सिल्वर ईटीएफ? इसका जवाब केवल पिछले रिटर्न में नहीं, बल्कि निवेश के उद्देश्य और जोखिम उठाने की क्षमता में छिपा है। सोना और चांदी दोनों कीमती धातुएं हैं, लेकिन इनके दाम तय होने के कारक अलग-अलग हैं। सोना आर्थिक अनिश्चितता और महंगाई के दौर में निवेशकों के लिए सुरक्षा का माध्यम माना जाता है। वहीं, चांदी का इस्तेमाल औद्योगिक गतिविधियों में भी होता है। इसलिए इसकी कीमत पर निवेश की मांग के साथ उद्योगों की जरूरत का भी असर पड़ता है। इसमें तेजी के साथ गिरावट की आशंका भी अधिक रहती है। निवेश से पहले इन पांच बातों को समझना जरूरी है।

सोने और चांदी की भूमिका को समझें

गोल्ड ईटीएफ और सिल्वर ईटीएफ को एक जैसा निवेश विकल्प नहीं मानना चाहिए। सोना आमतौर पर आर्थिक अनिश्चितता, महंगाई और बाजार में अस्थिरता के दौरान पोर्टफोलियो को संतुलन देने में मदद करता है। इसके मुकाबले चांदी की कीमत औद्योगिक मांग से भी प्रभावित होती है। इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में इसकी जरूरत बढ़ने या घटने का असर कीमतों पर पड़ सकता है। पिछले एक साल में चांदी ने सोने से बेहतर प्रदर्शन किया, लेकिन बीते छह महीनों में दोनों की कीमतों पर दबाव रहा। इसलिए केवल हालिया रिटर्न देखकर निवेश का फैसला न करें।

पहली बार निवेश कर रहे हैं तो सोने से करें शुरुआत

यदि आप पहली बार कीमती धातुओं में निवेश कर रहे हैं और ज्यादा जोखिम नहीं लेना चाहते तो गोल्ड ईटीएफ से शुरुआत पर विचार कर सकते हैं। इसकी तुलना में सिल्वर ईटीएफ में कीमतों का उतार-चढ़ाव अधिक हो सकता है। जिन निवेशकों के पास पहले से सोना है और निवेश की अवधि लंबी है, वे अपने पोर्टफोलियो में सीमित मात्रा में चांदी शामिल करने पर विचार कर सकते हैं। ध्यान रखें कि चांदी का भाव सोने से कम होने का अर्थ यह नहीं है कि उसमें तेजी की संभावना निश्चित है।



पोर्टफोलियो में कितनी रखें हिस्सेदारी?

निवेश विशेषज्ञों के अनुसार, पोर्टफोलियो में कीमती धातुओं की हिस्सेदारी सीमित रखनी चाहिए। इन्वेस्को म्यूचुअल फंड के पैसिव इन्वेस्टमेंट प्रमुख अभिषेक बहिनिपति के अनुसार, एक सामान्य रणनीति के तहत पोर्टफोलियो का करीब 10 प्रतिशत हिस्सा सोने में रखा जा सकता है। यदि निवेशक सोने और चांदी दोनों में पैसा लगाना चाहते हैं तो कुल 15 प्रतिशत हिस्सेदारी में 10 प्रतिशत सोना और पांच प्रतिशत चांदी रख सकते हैं। हालांकि, यह कोई अनिवार्य नियम नहीं है। कम जोखिम लेने वाले निवेशक चांदी का हिस्सा और कम रख सकते हैं।

किस्तों में लगाएं पैसा

सोने और चांदी की कीमतों में तेजी से बदलाव हो सकता है। ऐसे में एक साथ बड़ी रकम निवेश करने से बचना बेहतर हो सकता है। निवेशक हर महीने थोड़ी-थोड़ी रकम लगाकर खरीद की औसत लागत को संतुलित करने का प्रयास कर सकते हैं। यदि एकमुश्त पैसा उपलब्ध है तो उसे तीन से छह महीने में अलग-अलग हिस्सों में निवेश किया जा सकता है। इससे किसी एक दिन की ऊंची कीमत पर पूरी रकम लगाने का जोखिम कम हो सकता है। हालांकि, किस्तों में निवेश करने से नुकसान की आशंका पूरी तरह समाप्त नहीं होती।

पोर्टफोलियो का संतुलन जरूर जांचें

सोने या चांदी की कीमतों में तेजी आने से पोर्टफोलियो में इनकी हिस्सेदारी तय सीमा से अधिक हो सकती है। ऐसी स्थिति में कुछ निवेश बेचकर दूसरी संपत्तियों में पैसा लगाया जा सकता है। इसे पोर्टफोलियो का पुनर्संतुलन कहा जाता है। वहीं, बाजार में थोड़ी गिरावट आने पर घबराकर निवेश बेचने से बचना चाहिए। निवेश बनाए रखने या मुनाफा निकालने का फैसला अपने वित्तीय लक्ष्य, निवेश अवधि, जोखिम उठाने की क्षमता और कर देनदारी को ध्यान में रखकर करें। गोल्ड या सिल्वर ईटीएफ चुनते समय केवल रिटर्न पर ध्यान देना पर्याप्त नहीं है। संबंधित फंड का खर्च अनुपात, कारोबार की मात्रा और खरीद-बिक्री के बीच कीमत का अंतर भी देखना चाहिए। ईटीएफ में निवेश के लिए डीमैट और ट्रेडिंग खाते की जरूरत होती है। यह भी समझें कि ईटीएफ का मूल्य संबंधित धातु की कीमत के साथ घट-बढ़ सकता है। इसलिए इसमें निश्चित रिटर्न की उम्मीद नहीं करनी चाहिए।

अलर्ट | 10 हजार की मासिक एसआईपी में 10 साल बाद 1.45 लाख का अंतर संभव

निवेश में अनुशासन और सही फंड का चयन भी जरूरी

समझदारी
बिजनेस डेस्क

म्यूचुअल फंड में निवेश करने वालों के लिए खर्च घटाने और लंबी अवधि में बेहतर कोष बनाने का एक नया अवसर सामने आया है। बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के फैसले के अनुसार, एक नवंबर से म्यूचुअल फंड कंपनियों की वेबसाइटों पर डायरेक्ट प्लान डिफॉल्ट विकल्प के रूप में उपलब्ध होंगे। इसका उद्देश्य निवेशकों को कम खर्च वाले विकल्प की ओर प्रोत्साहित करना है। हालांकि, जिन निवेशकों को फंड चुनने, पोर्टफोलियो की निगरानी और बाजार के उतार-चढ़ाव के दौरान मार्गदर्शन की जरूरत है, वे रेगुलर प्लान भी चुन सकेंगे। इस बदलाव से निवेशकों के सामने अब यह समझने का अवसर है कि उन्हें केवल कम खर्च वाला विकल्प चुनना है या विशेषज्ञ की सलाह के साथ निवेश को आगे बढ़ाना है।

कम खर्च में निवेश, लंबी अवधि में बड़ा फायदा

म्यूचुअल फंड वेबसाइटों पर एक नवंबर से डायरेक्ट प्लान डिफॉल्ट विकल्प

क्या है डायरेक्ट व रेगुलर प्लान का अंतर

म्यूचुअल फंड में निवेश के लिए मुख्य रूप से दो विकल्प होते हैं। डायरेक्ट प्लान में निवेशक सीधे म्यूचुअल फंड कंपनी के माध्यम से निवेश करता है। इसमें वितरक या एजेंट का कमीशन शामिल नहीं होता, इसलिए इसका व्यय अनुपात यानी एक्सपेंस रेशियो कम रहता है। दूसरी ओर, रेगुलर प्लान में निवेशक वितरक या एजेंट के माध्यम से निवेश करता है। इसके बदले फंड के खर्च में वितरक का कमीशन भी शामिल रहता है। दोनों प्लान में निवेश एक ही फंड और पोर्टफोलियो में होता है, लेकिन खर्च अलग होने के कारण लंबी अवधि में मिलने वाले रिटर्न में अंतर आ सकता है। डायरेक्ट प्लान की शुरुआत वर्ष 2013 में हुई थी।

फंड के अनुसार अलग है खर्च का अंतर

डायरेक्ट और रेगुलर प्लान के बीच एक्सपेंस रेशियो का अंतर फंड की श्रेणी के अनुसार बदलता है। लार्ज कैप फंड में यह अंतर करीब 0.7 से 0.8 प्रतिशत, मिड कैप फंड में 1 से 1.3 प्रतिशत और फ्लेक्सी कैप फंड में 0.8 से 1 प्रतिशत तक हो सकता है। लिक्विड फंड में यह अंतर अपेक्षाकृत कम, करीब 0.15 से 0.3 प्रतिशत रहता है। कम खर्च का फायदा शुरुआत में भले ही छोटा दिखाई दे, लेकिन लंबी अवधि में चक्रवृद्धि की वजह से इसका प्रभाव बड़ा हो सकता है। निवेशक को यह समझना चाहिए कि खर्च में कमी का अर्थ निश्चित रूप से अधिक रिटर्न नहीं है, क्योंकि फंड का प्रदर्शन बाजार की परिस्थितियों पर भी निर्भर करता है।



10 हजार की एसआईपी में 1.45 लाख रुपये का अंतर

डायरेक्ट और रेगुलर प्लान के बीच खर्च का प्रभाव एक उदाहरण से समझा जा सकता है। यदि कोई निवेशक मिड कैप फंड में हर महीने 10 हजार रुपये की एसआईपी करता है और 14 प्रतिशत सालाना अनुमानित रिटर्न मानकर 10 साल तक निवेश बनाए रखता है तो डायरेक्ट प्लान में करीब 24.66 लाख रुपये का कोष बन सकता है। वहीं, रेगुलर प्लान में यह राशि करीब 23.21 लाख रुपये रह सकती है। इस तरह दोनों विकल्पों के बीच लगभग 1.45 लाख रुपये का अंतर हो सकता है। यदि निवेश की अवधि 20 साल कर दी जाए तो खर्च में अंतर और उस पर मिलने वाले संभावित चक्रवृद्धि लाभ का प्रभाव भी बढ़ जाता है। हालांकि, यह केवल अनुमानित गणना है। वास्तविक रिटर्न बाजार के प्रदर्शन, फंड के खर्च और निवेश की अवधि के अनुसार अलग हो सकता है।

रेगुलर प्लान में मिलता है मार्गदर्शन का लाभ

कम एक्सपेंस रेशियो डायरेक्ट प्लान का बड़ा फायदा है, लेकिन निवेश में केवल लागत ही महत्वपूर्ण नहीं होती। बाजार में गिरावट, आर्थिक अनिश्चितता और फंड के प्रदर्शन में उतार-चढ़ाव के दौरान निवेशक कई बार घबराकर पैसा निकाल लेते हैं। ऐसे समय में वितरक निवेशकों को धैर्य बनाए रखने, पोर्टफोलियो की समीक्षा करने और जरूरत के अनुसार निवेश में बदलाव करने में मदद कर सकते हैं। आंकड़ों के अनुसार, मार्च 2026 में पांच साल से अधिक समय तक निवेश बनाए रखने वाले रेगुलर प्लान के निवेशकों की हिस्सेदारी 23.5 प्रतिशत थी, जबकि डायरेक्ट प्लान में यह 14 प्रतिशत रही। इससे निवेश के दौरान मार्गदर्शन और अनुशासन की अहमियत सामने आती है।

डायरेक्ट प्लान की ओर बढ़ रहा निवेशकों का रुझान

एम्फी-क्रिसिल फैक्टबुक 2026 के आंकड़ों के अनुसार, डायरेक्ट प्लान में खुदरा निवेशकों की हिस्सेदारी मार्च 2021 में 21.4 प्रतिशत थी, जो मार्च 2026 में बढ़कर 36.7 प्रतिशत हो गई। डिजिटल निवेश मंचों की उपलब्धता और वित्तीय जागरूकता बढ़ने से युवा निवेशक खुद फंड चुनने में अधिक रुचि दिखा रहे हैं। 18 से 34 वर्ष आयु वर्ग में डायरेक्ट प्लान का रुझान अधिक है। इसके विपरीत, 58 वर्ष से अधिक आयु के निवेशकों में रेगुलर प्लान की हिस्सेदारी मार्च 2021 के 18.5 प्रतिशत से बढ़कर मार्च 2026 में 22.4 प्रतिशत हो गई।

सलाह लेकर भी चुन सकते हैं डायरेक्ट प्लान

निवेशकों के पास एक तीसरा रास्ता भी है। वे सेबी में पंजीकृत निवेश सलाहकार से शुल्क देकर वित्तीय सलाह ले सकते हैं और इसके बाद डायरेक्ट प्लान में निवेश कर सकते हैं। इसमें सलाह का शुल्क फंड के खर्च से अलग रहता है। इस व्यवस्था में निवेशक को फंड चयन और वित्तीय योजना के लिए विशेषज्ञ की मदद मिल सकती है, जबकि वितरक के कमीशन का अतिरिक्त खर्च नहीं देना पड़ता। हालांकि, सलाहकार का चयन करते समय उसकी योग्यता, पंजीकरण और शुल्क व्यवस्था की जांच करना जरूरी है।

निवेश से पहले इन बातों का रखें ध्यान

- केवल कम एक्सपेंस रेशियो देखकर किसी फंड में निवेश न करें। उसके पिछले प्रदर्शन, निवेश रणनीति और जोखिम का आकलन करें।
- अपनी आय, वित्तीय लक्ष्य और जोखिम उठाने की क्षमता के अनुसार फंड की श्रेणी चुनें।
- बाजार में गिरावट आने पर जल्दबाजी में एसआईपी बंद करने या निवेश निकालने से बचें।
- समय-समय पर पोर्टफोलियो की समीक्षा करें और जरूरत के अनुसार संतुलन बनाए रखें।
- यदि फंड और बाजार की पर्याप्त समझ नहीं है तो विशेषज्ञ की सलाह लेने में संकोच न करें।

अनुशासन भी जरूरी

डायरेक्ट प्लान निवेश की लागत घटाने का अवसर जरूर देता है, लेकिन केवल इसी आधार पर निवेश का फैसला करना उचित नहीं है। सही फंड का चयन, निवेश की अवधि, जोखिम की समझ और नियमित निवेश बनाए रखना भी उतना ही जरूरी है। निवेशक को अपनी जानकारी और जरूरत के अनुसार डायरेक्ट या रेगुलर प्लान चुनना चाहिए। लंबी अवधि में बेहतर कोष बनाने का रास्ता केवल कम खर्च से नहीं, बल्कि सही रणनीति और अनुशासित निवेश से तैयार होता है।

तापमान
अधिकतम 30 .5 डिग्री
न्यूनतम 17 .5 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार 8 नवंबर 2026
कुरुक्षेत्र - यमुनानगर



शाम 5:54 से 7:48 बजे तक लक्ष्मी-गणेश पूजन का श्रेष्ठ मुहूर्त

दीपावली आज: मां लक्ष्मी की आराधना से घर-आंगन म आएगी सुख-समृद्धि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

प्रकाश, उल्लास, श्रद्धा और समृद्धि का महापर्व दीपावली रविवार, 8 नवंबर को देशभर में परंपरागत श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया जाएगा। कार्तिक मास की अमावस्या को मनाए जाने वाले इस पर्व पर घरों, मंदिरों और प्रतिष्ठानों में दीप प्रज्वलित कर मां लक्ष्मी, भगवान गणेश और मां सरस्वती की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है। गायत्री ज्योतिष अनुसंधान केंद्र के संचालक डॉ.रामराज कौशिक ने बताया कि धार्मिक मान्यता है कि दीपावली पर विधि-विधान से पूजा करने से घर में सुख, शांति, धन-धान्य और समृद्धि का वास होता है। ज्योतिषीय गणना के अनुसार दीपावली पर लक्ष्मी-गणेश पूजन का श्रेष्ठ समय शाम 5 बजकर 54 मिनट से रात्रि 7 बजकर 48 मिनट तक रहेगा। प्रदोष काल शाम 5:30 बजे से रात्रि 8:09 बजे



रामराज कौशिक।

तक रहेगा। अमावस्या तिथि 8 नवंबर को सुबह लगभग 11:28 बजे प्रारंभ होकर 9 नवंबर को दोपहर लगभग 12:31 बजे तक रहेगी।

ऐसे करें मां लक्ष्मी और गणेश जी की पूजा

रामराज कौशिक के अनुसार दीपावली के दिन प्रातः जल्दी उठकर स्नान करें और स्वच्छ वस्त्र धारण करें। घर के मंदिर एवं पूजा स्थल की सफाई कर मां लक्ष्मी, भगवान गणेश और मां सरस्वती की प्रतिमा स्थापित करें। शाम को शुभ मुहूर्त में पूजा स्थल पर चौकी सजाकर लाल या पीला वस्त्र बिछाएं। उस पर भगवान गणेश और मां लक्ष्मी की प्रतिमा स्थापित करें।सबसे पहले भगवान गणेश का पूजन करें। इसके बाद मां लक्ष्मी को कमल का फूल, अक्षत, रोली, चंदन, धूप, दीप, फल और मिठाई अर्पित करें।

मां लक्ष्मी और गणेश जी के विशेष मंत्र

मां लक्ष्मी मंत्र
ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः॥
भगवान गणेश मंत्र-
ॐ गं गणपतये नमः॥
महालक्ष्मी गायत्री मंत्र-
ॐ महालक्ष्म्यै च विद्महे
विष्णुपत्न्यै च धीमहि।
तन्नो लक्ष्मीः प्रचोदयात॥

दीपावली पर क्या करें?

1. घर, दुकान और प्रतिष्ठान की अच्छी तरह सफाई करें।
2. मुख्य द्वार पर रंगोली बनाएं और शुभ चिह्न स्वस्तिक बनाएं।
3. घर के मंदिर और मुख्य द्वार पर दीपक जलाएं।
4. मां लक्ष्मी के स्वागत के लिए घर को स्वच्छ और प्रकाशमय रखें।
5. जरूरतमंदों को अन्न, वस्त्र और मिठाई का दान करें।
6. परिवार के बुजुर्गों का आशीर्वाद लें और आपसी प्रेम बढ़ाएं।
7. मिट्टी के दीपक जलाकर पर्यावरण के अनुकूल दीपावली मनाएं।

दीपावली पर क्या न करें?

1. घर में गंदगी और अव्यवस्था न रहने दें।
2. किसी का अपमान, अपशब्द और विवाद न करें।
3. जुआ, सट्टा और अनैतिक गतिविधियों से दूर रहें।
4. शराब एवं नशीले पदार्थों का सेवन न करें।
5. पटाखों से होने वाले ध्वनि और वायु प्रदूषण से बचें।
6. पूजा के समय जल्दबाजी और अशुद्धता से बचें।
7. दिखावे और अनावश्यक खर्च से बचकर अपनी सामर्थ्य के अनुसार पर्व मनाएं।

अपने घर के साथ किसी जरूरतमंद के घर में भी जलाएं खुशियों का दीप

- दीपावली पर सांसद नवीन जिन्दल ने दिया सेवा, सद्भाव और सकारात्मकता का संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

सांसद नवीन जिन्दल ने दीपावली के पावन अवसर पर देशवासियों और उनके परिवारों को हार्दिक



शुभकामनाएं देते हुए सभी के सुख, समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य की कामना की है।अपने शुभकामना संदेश में सांसद नवीन जिन्दल ने कहा कि दीपावली भगवान श्रीराम के 14 वर्ष के वनवास के बाद रावण पर विजय प्राप्त कर अयोध्या लौटने की स्मृति में मनाई जाती है। अयोध्यावासियों ने घर-घर दीप जलाकर उनका स्वागत किया था। यह पर्व हमें संदेश देता है कि सत्य और मर्यादा का मार्ग कितना भी कठिन क्यों न हो, अंततः विजय सत्य की ही होती है।

सांसद ने सभी से आह्वान किया कि इस दीपावली अपने घर के साथ किसी जरूरतमंद के घर में भी खुशियों का दीप जलाएं और किसी एक जरूरतमंद परिवार की सहायता अवश्य करें, ताकि उनकी दीपावली भी खुशहाल बन सके।

जहरीली हुई हवा, एक्यूआई 250 पर पहुंचा

अंबाला। दीपावली से पहले ही यहां की हवा लोगों के लिए परेशानी का कारण बनने लगी है। शहर में पिछले एक सप्ताह से वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 250 से अधिक बना हुआ है। शनिवार को यह 226 दर्ज किया गया था जबकि शुक्रवार को भी एक्यूआई 270 पर था । सुबह के समय प्रदूषण का स्तर 250 के पार पहुंच रहा है, जबकि दोपहर तक यह 300 तक जा रहा है। हवा में पीएम 2.5 की अधिक मात्रा लोगों के स्वास्थ्य के लिए चिंता बढ़ा रही है। त्यौहार से पहले प्रदूषण का स्तर लगातार बढ़ने के बावजूद शहर में इसे नियंत्रित करने के लिए विशेष इंतजाम नजर नहीं आ रहे हैं। नगर निगम के पास स्मॉग गन तक उपलब्ध नहीं है। पिछले एक सप्ताह से शहर में सुबह 9 बजे तक एक्यूआई 250 के आसपास पहुंच रहा है।

नन्हे-मुन्ने बच्चों ने की दीया सजावट एवं नन्हे हाथों से बनाई सुंदर रंगोली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| थानेसर

नन्हे हाथों की कलाकारी एवं बच्चों की प्रतिभा से दीपावली की खुशियां निराली होती हैं। इन्हीं भावों को साकार करते हुए श्रीमद भगवद गीता प्राथमिक विद्यालय बालघर में दीपावली पर्व बहुत ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में हिन्दू शिक्षा समिति हरियाणा के प्रांतीय अध्यक्ष डा. ऋषि राज वशिष्ठ एवं विद्या भारती उत्तर क्षेत्र सह-संगठन मंत्री बालकृष्ण की गरिमामयी उपस्थिति रही।

बच्चों की कल्पनाशीलता, कलात्मक अभिव्यक्ति और रंगों के सुंदर संयोजन ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम में प्रांतीय अध्यक्ष डा. ऋषि राज वशिष्ठ ने अपने आशीर्वचन में बालघर परिवार को पंचपर्व की शुभकामनाएं दी एवं



थानेसर। कार्यक्रम के अवसर पर नन्हे बच्चे।

कहा कि धन्वंतरी भगवान की पूजा के साथ धनतेरस पर्व एवं भारतीय संस्कृति के अनुसार दीपावली त्यौहार धूमधाम से मनाना चाहिए।

इसी के साथ ही अतिथिगण द्वारा बालघर के समस्त स्टाफ सदस्यों को दीपावली उपहार दिया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों में रचनात्मकता, सहयोग, सांस्कृतिक मूल्यों एवं त्यौहारों के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना था। अंत में बालघर प्रबंधक जीवन मौदगिल ने सभी उपस्थित जन का धन्यवाद व आभार व्यक्त किया। बालघर परिवार को दीपावली की मंगलकामनाएं देते हुए आशा व्यक्त की कि यह प्रकाश पर्व सभी के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि एवं नई ऊर्जा का संचार करे।



नवयुग स्कूल की दिया-बाती मुहिम से रोशन हुई जरूरतमंद परिवारों की दीपावली

कुरुक्षेत्र। नवयुग सीनियर सेकेंडरी स्कूल के स्टाफ सदस्यों एवं विद्यार्थी परिषद के विद्यार्थियों ने विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. देवेंद्र अरोड़ा द्वारा शुरू की गई दिया-बाती मुहिम में बढ़-चढ़कर भाग लिया। इस मुहिम के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों की दीपावली को खुशियों से रोशन करने का प्रयास किया गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. देवेंद्र अरोड़ा ने बताया कि इस मुहिम की शुरूआत वर्ष 2014 में की गई थी। इसके तहत प्रत्येक वर्ष दीपावली पर झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले तथा ईंट भट्टों पर काम करने वाले परिवारों को दीये, तेल, बाती और मिठाई भेंट की जाती है, ताकि आर्थिक अभाव के कारण कोई भी परिवार दीपावली की खुशियों से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि वर्ष के सबसे बड़े त्योहार पर जब जरूरतमंद परिवारों को यह छोटी-सी भेंट मिलती है तो उनके चेहरों पर खुशी देखकर आत्मिक संतोष मिलता है। गरीबों और जरूरतमंदों की सेवा करना ही सबसे बड़ा धर्म है। वह अपने मित्रों के सहयोग से कई वर्षों से इस सेवा कार्य को निरंतर आगे बढ़ा रहे हैं। इसके लिए लोगों के सहयोग के साथ-साथ अपने निजी खर्चों में कटौती करके भी योगदान देते हैं। इस अवसर पर विद्यालय के डायरेक्टर बीडी गाबा, प्रशासक विकास गाबा, मुख्याध्यापिका प्रीति मिश्रा, को-ऑर्डिनेटर रितु चौधरी सहित अध्यापिकाएं रजनी, सीमा, नैंसी, योगिता, परमज्योति, सोनिया, हरिंदर, पायल, कल्पना, आशा, भारती, स्मृति, रिहाना, पूनम, अंजलि, कोमल, स्वाति, मधु, रेनू, गीता, रीमा तथा अध्यापक जसमेर, किरणजीत, शक्ति प्रकाश, राकेश और हेमंत सहित विद्यालय स्टाफ के सभी सदस्य उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायतों के विकास कार्यों के लिए थानेसर को मिली 3 करोड़ रुपये की राशि: सुभाष सुधा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

हरियाणा के पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के विकास को गति देने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। इसी कड़ी में राज्य वित्त आयोग (एसएफसी) के दूसरे चरण के तहत वित्त वर्ष 2026-27 में ग्राम पंचायतों के विकास कार्यों के लिए कुल 5.79 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई है। इसमें से थानेसर क्षेत्र की ग्राम पंचायतों को विकास कार्यों के लिए 3 करोड़ रुपये की राशि मिली है।

पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। इस राशि से गांवों में जरूरत के अनुसार विभिन्न विकास कार्य करवाए जा सकेंगे। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत ढांचे को



बेहतर बनाने और लोगों को आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध करवाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि गांवों का विकास केवल सड़कों और गलियों के निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि स्वच्छता, पेयजल, जल निकासी, स्ट्रीट लाइट और अन्य जन सुविधाओं को बेहतर बनाना भी जरूरी है। ग्राम पंचायतें स्थानीय जरूरतों के अनुसार विकास कार्यों की प्राथमिकताएं निर्धारित कर सकती हैं, ताकि आवंटित बजट का उपयोग जनहित में किया जा सके।

पटाखा रहित दीपावली मनाने का आह्वान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

स्वराज पब्लिक स्कूल रादौर के बच्चों ने दीवाली के अवसर पर उत्साह और उमंग के साथ विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया। मौके पर बच्चों ने जागरूकता रैली निकाल कर प्रदूषण मुक्त दीपावली मनाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विशेष प्रार्थना सभा द्वारा किया गया। जिसमें दीवाली पर्व के विशेष महत्व पर प्रकाश डाला गया। बच्चों को सुरक्षित एवं पर्यावरण अनुकूल दिवाली मनाने का संदेश दिया गया। बच्चों ने सुंदर-सुंदर तोरण, सजावटी दीये व मोमबत्तियाँ बनाकर अपनी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। विभिन्न गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को प्रदूषण रहित दीवाली मनाने व



यमुनानगर। के स्वराज पब्लिक स्कूल में जागरूकता रैली निकालते बच्चे व स्टाफ सदस्य।

पटाखों से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को दिवाली का वास्तविक महत्व समझाना और उन्हें प्रेम, खुशियाँ, स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश देना था। विद्यालय की प्रधानाचार्या पूजा कालरा ने बच्चों के प्रयासों की सराहना की और सभी को सुरक्षित एवं हरित दीवाली मनाने के लिए प्रेरित किया।

नुक्कड़ नाटक से बच्चों ने दिया सुरक्षित दीपावली मनाने का संदेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रादौर

मुकंदलाल नेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल रादौर में दीपावली के उपलक्ष्य में रंगोली प्रतियोगिता एवं नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने सुंदर एवं आकर्षक रंगोलियाँ बनाकर अपनी रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। रंगोली प्रतियोगिता दो समूहों में आयोजित की गई। कक्षा 6 से 8 के ग्रुप में राशि एवं उसके सहयोगियों ने प्रथम तथा माही एवं उसके साथियों ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। जबकि कृतिका की टीम तीसरे स्थान पर रही। वहीं कक्षा 9 से 12 के ग्रुप में अनुष्का की टीम प्रथम, नव्या की टीम द्वितीय व सिमरन की टीम तृतीय रही। नुक्कड़ नाटक के माध्यम से विद्यार्थियों ने पटाखों से होने वाले वायु एवं ध्वनि प्रदूषण के प्रति जागरूक करते हुए सभी से प्रदूषणमुक्त दीपावली मनाने की अपील की।



यमुनानगर। मुकंदलाल स्कूल रादौर में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते स्टाफ सदस्य।

स्वच्छ दीपावली मनाने का किया आह्वान

विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रमोद ग्रोवर ने विद्यार्थियों के रचनात्मक प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि दीपावली खुशियां बांटने का त्योहार है इसलिए हमें पर्यावरण और जीव-जंतुओं का ध्यान रखते हुए सुरक्षित एवं स्वच्छ दीपावली मनानी चाहिए।

प्रत्येक व्यक्ति को करना चाहिए रक्तदान: वर्मा

- राष्ट्रीय जनकल्याण सेवा मंच द्वारा रक्तदान विषय पर कैंप में किया गोष्ठी का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

राष्ट्रीय जनकल्याण सेवा मंच के तत्वावधान में शनिवार को शहर की जम्मू कालोनी में गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें मंच के संस्थापक विजय पाल ने भाग लिया। जबकि अध्यक्षता मंच के अध्यक्ष रविश कुमार ने की। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रुप में डॉ. सतीश वर्मा ने भाग लिया। मुख्य वक्ता डॉ. सतीश वर्मा ने कहा कि रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं है। इसलिए हर व्यक्ति को रक्तदान करना चाहिए। आम तौर पर लोग रक्तदान करने से डरते हैं कि इससे शरीर में खून कमी होगी। जबकि सच्चाई यह है कि रक्तदान करने से शरीर का खून साफ होता है और व्यक्ति स्वस्थ रहता है। मौके पर मंच के संस्थापक विजय पाल ने कहा कि हमें दूसरों की जिंदगी बचाने के लिए वर्ष में कम से कम तीन बार अपना रक्तदान अवश्य करना चाहिए। उन्होंने कहा कि रक्तदान करने से जहां हम दूसरों की जिंदगी बचा सकते हैं, वहीं, हमारे शरीर में भी नए रक्त का संचार होता है और हम कई बीमारियों से बच सकते हैं।

स्वदेशी क्राकरी की बढ़ी मांग, कप, मग और गिलास खरीद रहे लोग

दीपावली पर मिठाई की जगह क्राकरी के गिफ्ट

हरिभूमि न्यूज ▶▶| यमुनानगर

हिंदूओं के पवित्र त्यौहार दीपावली पर्व पर लोगों द्वारा अपने दोस्तों व रिश्तेदारों को गिफ्ट दिए जा रहे हैं। खास बात यह है कि मिठाई भेंट करने की बजाए लोग स्वदेश में बनी क्राकरी के सामान का गिफ्ट भेंट कर रहे हैं। यही वजह है कि शनिवार को लोगों ने शहर स्थित क्राकरी की दुकानों पर पुर जमकर क्राकरी का सामान खरीद कर अपने रिश्तेदारों व दोस्तों को भेंट किया। लोगों द्वारा सबसे ज्यादा कप, कांच के गिलास, काफी मग व बिस्कुट-ट्रे की खरीद की गई। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद निवासी मुस्तफा ने बताया कि वह पिछले 17 साल से लगातार यमुनानगर में वह दीपावली पर्व पर आकर क्राकरी का सामान बेचते हैं। वह मेन बाजार में अपनी दुकान लगाता है। उसके साथ करीब 40 लोगों का समूह साथ चलता है। क्राकरी की खरीदारी लोगों द्वारा दीपावली पर ज्यादा की जाती है।



क्राकरी का गिफ्ट लंबे अर्से तक नहीं होता खराब

बर्तन व्यापारी रमेश व कमल का कहना है कि क्राकरी के सामान की खासियत यह है कि यह लंबे समय तक खराब नहीं होता। वहीं इसमें रखा गया सामान भी खराब नहीं होता है। दूसरा क्राकरी के गिफ्ट में न तो कोई मिलावट है और ना ही यह अधिक महंगा है। इसलिए आम आदमी है या फिर धनवान सभी इसे खरीदकर अपने दोस्तों व रिश्तेदारों को गिफ्ट भेंट करने में लगा है।

स्वदेशी क्राकरी को कर रहे हैं ग्राहक पसंद

दुकानदार मनोज गुप्ता व कृष्ण लाल ने बताया कि क्राकरी में स्वदेशी क्राकरी के सामान को ग्राहक ज्यादा पसंद कर रहे हैं। क्योंकि स्वदेशी क्राकरी का सामान जहां काफी मजबूत है, वहीं, वह ज्यादा आकर्षक भी है।

मिठाई खरीदने से गुरेज कर रहे हैं लोग

मिठाई विक्रेता दुकानदार दर्शन कुमार का कहना है कि दीपावली पर्व पर उनकी दुकान से मिठाई बिकने पर काफी मुनाफा हो जाता था। मगर इस बार अधिकांश लोग मिठाई नहीं खरीद रहे हैं। जिससे अभी दुकानदारी ठंडी है। वहीं, मेन बाजार में सामान खरीदने पहुंचे बलराज सिंह व राकेश ने बताया कि दीपावली पर्व पर पहले लोग मिठाई के डिब्बे खरीदकर अपने परिचितों, दोस्तों व रिश्तेदारों को देते थे। मगर अब लोग मिठाई खरीदने से गुरेज कर रहे हैं। क्योंकि आजकल शुद्ध मिठाई का मिलना मुश्किल है और मिठाई खाने से लोग परहेज करने लगे हैं। यही वजह है कि लोग मिठाई ना खरीदकर अन्य सामान के गिफ्ट अपने दोस्तों, परिचितों व रिश्तेदारों को भेंट कर रहे हैं।

एमडीवीएम पब्लिक स्कूल में दीपावली पर्व मनाया

विद्यार्थियों ने आकर्षक पेंटिंग एवं ड्राइंग बनाकर अपनी प्रतिभा का किया प्रदर्शन

विद्यालय के चेयरमैन अनिल कांबोज ने कार्यक्रम का किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ रादौर

एमडीवीएम पब्लिक स्कूल हाफिजपुर में दीपावली पर्व धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत कक्षाओं के अनुसार विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के चेयरमैन अनिल कांबोज ने किया। विद्यालय के चेयरमैन अनिल कांबोज ने बताया कि कार्यक्रम में कक्षा तीसरी, चौथी व पांचवी कक्षा के विद्यार्थियों ने दीपावली के महत्व पर सुंदर भाषण प्रस्तुत किए और इस पावन पर्व का संदेश सभी तक पहुंचाया। कक्षा पहली से चौथी तक के विद्यार्थियों के लिए कार्ड मेकिंग एवं स्लोगन राइटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। जिसमें बच्चों ने अपनी रचनात्मकता का सुंदर प्रदर्शन किया। कक्षा पांचवीं से आठवीं तक के विद्यार्थियों ने दीपावली से संबंधित आकर्षक पेंटिंग एवं ड्राइंग बनाकर अपनी कलात्मक प्रतिभा को प्रदर्शित किया। वहीं, कक्षा नौवीं से बारहवीं तक के विद्यार्थियों के लिए रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने रंगों, फूलों व सुंदर डिजाइनों के माध्यम से एक से बढ़कर एक आकर्षक रंगोलियां बनाईं। जिन्होंने सभी का दिल जीत लिया। इसके अलावा विद्यार्थियों ने आर्ट एंड क्राफ्ट गतिविधियों के अंतर्गत सुंदर वॉल हैंगिंग्स, आकर्षक फूल व दीपावली से संबंधित विभिन्न सजावटी वस्तुएँ तैयार कीं। चेयरमैन अनिल कांबोज ने विद्यार्थियों को दीपावली पर्व की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि दीपावली केवल दीप जलाने का त्योहार नहीं है। बल्कि अपने जीवन से अज्ञानता, नकारात्मकता और बुराइयों के अंधकार को दूर कर ज्ञान, प्रेम एवं सद्भाव का प्रकाश फैलाने का पर्व है।



यमुनानगर के एमडीवीएम पब्लिक स्कूल हाफिजपुर में रंगोली बनाते विद्यार्थी।

जरूरतमंदों के साथ खुशियां बांटने के लिए प्रेरित किया

उन्होंने विद्यार्थियों को सुरक्षित एवं प्रदूषण मुक्त दीपावली मनाने तथा जरूरतमंदों के साथ खुशियां बांटने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय की प्रिंसीपल अंजू गुलाटी ने सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां बच्चों में रचनात्मकता, आत्मविश्वास, सहयोग एवं टीम भावना का विकास करती हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को त्योहारों की खुशियाँ जिम्मेदारी और पर्यावरण के प्रति जागरूकता के साथ मनाने का संदेश दिया। विद्यालय की अकेडमिक डायरेक्टर सोनाली कांबोज विद्यार्थियों को अपनी रचनात्मकता बनाए रखने तथा सुरक्षित, स्वच्छ एवं खुशियों भरी दीपावली मनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

कक्षा छठी में केविन और उर्वशी ने रंगोली प्रतियोगिता में प्राप्त किया प्रथम स्थान

प्रधानाचार्या ने दीपमाला कांबोज ने दीप प्रज्जवलित किया

- स्टार वे सीनियर सैकेंडरी स्कूल खुर्दी में दीपावली पर्व पर रंगोली व हस्तकला प्रतियोगिता का हुआ आयोजन
- विद्यालय की प्रधानाचार्या दीपामाला कांबोज ने दीप प्रज्जवलित करके किया प्रतियोगिता का शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

स्टारवे सीनियर सैकेंडरी स्कूल खुर्दी(यमुनानगर) में दीपावली पर्व के अवसर पर रंगोली व हस्तकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता, कलात्मक प्रतिभा और कल्पनाशीलता का शानदार प्रदर्शन किया।

बच्चों ने आकर्षक एवं मनमोहक रंगोलियां बनाकर सभी का मन मोह लिया। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों ने दीया सजावट, वॉल हैंगिंग, तोरण एवं कार्ड हैंगिंग जैसी विभिन्न हस्तकला गतिविधियों में भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिताओं का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाचार्या दीपमाला कांबोज ने दीप प्रज्जवलित करके किया। प्रधानाचार्या दीपमाला कांबोज ने बताया कि रंगोली प्रतियोगिता में कक्षा छठी में केविन व उर्वशी ने प्रथम, आरुषि व सुधा ने द्वितीय तथा रिद्धि एवं रिया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा सातवीं में छवि व हर्षिता ने प्रथम, आरवी, मेधावी व तृषा ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। जबकि तमन्ना व हरमन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा आठवीं व नौवीं की रंगोली प्रतियोगिता में आराधना एवं जस्मीत ने प्रथम, भाविका एवं भाविका तथा मयंक एवं प्रियांशु ने द्वितीय, जबकि चैतन्य एवं सोफिया तथा प्रेरणा एवं ध्रूविका ने तृतीय स्थान हासिल किया। वहीं, कक्षा ग्यारहवीं एवं बारहवीं में विधि एवं ट्विंकल ने प्रथम, दीपिक्षा एवं मानवी ने द्वितीय तथा मुस्कान एवं शिवांकी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। उन्होंने बताया कि हस्तकला प्रतियोगिता में तीसरी से पांचवी तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस दौरान दीया सजावट में छात्रा परीधी ने प्रथम, स्वाति ने द्वितीय तथा केविन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वॉल हैंगिंग में अंशुमन प्रथम व दिवांशी द्वितीय रही।


यमुनानगर के स्टारवे सीनियर सैकेंडरी स्कूल में आयोजित प्रतियोगिता में मानव श्रृंखला से स्वास्तिक का चिन्ह बनाते हुए बच्चे।

विजेता विद्यार्थियों को दी बधाई

प्रधानाचार्या दीपमाला कांबोज व चेयरपर्सन स्नेहलता कांबोज ने विजेता विद्यार्थियों को बधाई दी और उन्हें पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्या दीपमाला कांबोज ने विद्यालय के समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थियों को दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की गतिविधियां बच्चों की रचनात्मक सोचए आत्मविश्वास एवं कलात्मक प्रतिभा को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।



बच्चों को श्रीराम के आदर्शों पर चलने के लिए किया प्रेरित

रादौर। लाइक पब्लिक स्कूल रादौर में दीपावली का पर्व बड़े हर्षोल्लास एवं उत्साह के साथ मनाया गया। सभी कक्षाओं को विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा सुंदर ढंग से सजाया गया। विद्यालय में रंगोली प्रतियोगिता एवं दीप सजावट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी रचनात्मक प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। बच्चों ने सुंदर रंगोलियाँ, आकर्षक दीप एवं दीपावली के शुभकामना कार्ड तैयार किए। विद्यार्थियों ने भगवान श्रीराम, माता सीता, लक्ष्मण एवं भरत की वेशभूषा धारण कर रामायण के प्रसंगों को जीवंत किया। इस गतिविधि के माध्यम से बच्चों को भगवान श्रीराम के आदर्शों, सत्य, मर्यादा व अच्छाई के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी गई। शिक्षकों ने धनतेरस, दीपावली एवं भाई दूज के धार्मिक व सांस्कृतिक महत्व पर अपने विचार एवं भाषण प्रस्तुत किए। उन्होंने विद्यार्थियों को इन त्योहारों की परंपराओं, आपसी प्रेम, भाईचारे और पारिवारिक रिश्तों के महत्व के बारे में जानकारी दी।

न्यू हैप्पी पब्लिक स्कूल हर्षोल्लास से मनाई दीपावली

- ग्रीन दिवाली का संदेश देते हुए विद्यार्थियों ने लिया पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

न्यू हैप्पी पब्लिक स्कूल यमुनानगर में दीपावली का पर्व हर्षोल्लास, उत्साह और उमंग के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में विभिन्न रचनात्मक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया गया जिनमें विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। पूरा विद्यालय दीपावली की रंग-बिरंगी सजावट, आकर्षक कलाकृतियों और उत्सव के उल्लास से सराबोर नजर आया। दीपावली समारोह का विशेष संदेश ग्रीन दिवाली मनाने और पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता देने पर केंद्रित रहा। विद्यार्थियों को प्रेरित किया गया कि वे दीपावली को खुशियों और रोशनी के पर्व के रूप में मनाएं तथा पटाखों से होने वाले ध्वनि और वायु प्रदूषण से बचें। उन्हें मिट्टी के दीयों, सजावटी रोशनी और प्राकृतिक सामग्री का उपयोग करने तथा अपने आसपास स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया गया। मौके पर विद्यार्थियों के लिए विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। बच्चों ने अपनी रचनात्मकता का परिचय देते हुए सुंदर सजावटी वस्तुएं तैयार की और विद्यालय परिसर को आकर्षक रूप दिया। इन गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों ने न केवल अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया, बल्कि भारतीय संस्कृति, परंपराओं और त्योहारों के वास्तविक महत्व को भी समझा।

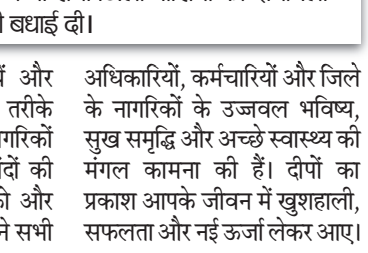

यमुनानगर के न्यू हैप्पी पब्लिक स्कूल में दीपावली उत्सव के दौरान बच्चों द्वारा बनाई गई कृतियां।

ग्रीन दिवाली मनाएं

विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ.बिंदु शर्मा ने कहा कि दीपावली केवल दीप जलाने और खुशियां मनाने का पर्व नहीं है बल्कि यह अंधकार पर प्रकाश, बुराई पर अच्छाई और निराशा पर आशा की विजय का प्रतीक है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे इस दीपावली पर पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझें और ग्रीन दिवाली मनाएं। उन्होंने कहा कि छोटे-छोटे प्रयासों से हम अपने पर्यावरण को स्वच्छ, सुरक्षित बनाने का प्रयास करना होगा।

सुंदर रंगोलियां बनाकर आकर्षक रुप से सजाया

रादौर। लाइक पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल में दीपावली पर्व के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाचार्य मंजू रानी द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ किया गया। इस अवसर पर नन्हे मुन्ने विद्यार्थियों ने दीपावली पर मनमोहक नृत्य प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। विद्यालय की प्रधानाचार्य मंजू रानी ने बताया कि कक्षा तृतीय के विद्यार्थियों ने दीपावली का संदेश विषय पर सुंदर भाषण प्रस्तुत किया। इसके साथ ही रंगोली प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। जिसमें विद्यार्थियों ने रंग बिरंगे रंगों से सुंदर आकर्षक रंगोलियां बनाई। जिन्होंने सबका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। विद्यालय प्रांगण को दीपों, झालरों व रंगोली से सजाया गया। जिससे पूरा परिसर उत्सवमय वातावरण में रंग गया। विद्यालय की शिक्षिकाओं ने विद्यार्थियों को दीपावली का महत्व समझाया तथा यह संदेश दिया कि इस पर्व को स्वच्छता, सादगी व प्रेम के साथ मनाना चाहिए। साथ ही पटाखों से होने वाले प्रदूषण से बचने और पर्यावरण की रक्षा करने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य मंजू रानी ने सभी विद्यार्थियों और स्टाफ सदस्यों को दीपावली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि दीपों का यह पर्व हमें अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने की प्रेरणा देता है।



खसरा नंबर 23/35 की सेल डीड रद्द की

अंबाला। अंबाला शहर के कालका चौक के पास स्थित 29 कनाल 15 मरला की कीमती जमीन के फर्जीवाड़े और विवादित खरीद-फरोख्त पर अदालत ने खसरा नंबर 23/35 और खतौनी नंबर 464 (वर्ष 1966-67 की जमाबंदी) के तहत आने वाली इस जमीन से जुड़े सभी बिक्री विलेखों (सेल डीड) को रद्द कर दिया है। वर्तमान में इस जमीन पर डब्ल्यूटीएम डिवेलपर्स प्राइवेट लिमिटेड का कब्जा था। इस फैसले से करोड़ों रुपये की जमीन को निजी हाथों में सौंपने की पांच दशक पुरानी साजिश और फर्जीवाड़े का भंडाफोड़ हो गया है। मामला पट्टी सूबा अकबरपुर स्थित उस जमीन से जुड़ा है, जहां 1856 में अंबाला लेपर एसाइलम (कुष्ठ रोगी आश्रय गृह) की स्थापना की गई थी।
याचिकाकर्ताओं का आरोप था कि ब्रिटिश शासनकाल के 1923-25 के अंबाला जिला गजेटियर में भी इसका स्पष्ट उल्लेख है।

देश को आगे बढ़ाने के लिए खरीदें स्वदेशी सामानः रजनीश

हरिभूमि न्यूज ⏭ रादौर

हरियाणा राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत हमारी आवाज महिला संगठन द्वारा रादौर के पुराना बस स्टैंड के नजदीक स्वदेशी सामान का मेला लगाया गया। मेले में स्टालों पर स्वयं सहायता समूह की सदस्यों द्वारा बनाए गए सामान को रखा गया। दीपावली मेले का रिबन काटकर नपा के चेयरमैन रजनीश मेहता ने शुभारंभ किया। मुख्यातिथि एवं नपा के चेयरमैन रजनीश मेहता शालु ने महिलाओं द्वारा लगाए गए स्वदेशी स्टॉलो का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि दीपावली के अवसर पर स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाएं स्वदेशी सामान के अनेक स्टॉल लगाती हैं। महिलाओं को सामान तैयार करने में काफी मेहनत करनी पड़ती है। उन्होंने सभी से अपील की कि स्वदेशी अपनाओ और अपने देश को आगे बढ़ाओं। जिससे स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाओं को आर्थिक तौर पर मजबूत किया जा सके। इस अवसर पर धनपत सैनी, कुसुम लता, गीता रानी, सोनिया, सुनीता शर्मा आदि मौजूद रहे।



दीपों का पर्व देता है सौहार्द की भावना का संदेश

उपायुक्त प्रीति ने जिलेवासियों को दी दीपावली पर्व की शुभकामनाएं

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

दीपावली पर्व दीपों का त्योहार है। यह हमें सौहार्द की भावना को मजबूत करने का संदेश देता है। हमें दीपवली का पर्व सादगी पूर्ण, शांतिपूर्वक और पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए मनाना चाहिए। उपायुक्त प्रीति ने दीपावली पर्व की जिलावासियों को शुमकामनाएं देते हुए उक्त बात कही। उपायुक्त प्रीति ने कहा कि दीपों का यह पर्व अंधकार पर प्रकाश, असत्य पर सत्य और बुराई पर अच्छाई की विजय का प्रतीक है। यह त्योहार हमें आपसी प्रेम भाईचारे और सौहार्द की भावना को मजबूत करने का संदेश देता है। उपायुक्त प्रीति ने कहा कि दीपावली का पर्व साफ. सफाई, सादगी और पर्यावरण संरक्षण के साथ मनाएं। पटाखों से होने वाले प्रदूषण से बचें और हर्षोल्लास के साथ सुरक्षित तरीके से उत्सव मनाएं। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि जरूरतमंदों की सहायता कर इस त्यौहार को और अधिक सार्थक बनाएं। उन्होंने सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और जिले के नागरिकों के उज्जवल भविष्य, सुख समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य की मंगल कामना की हैं। दीपों का प्रकाश आपके जीवन में खुशहाली, सफलता और नई ऊर्जा लेकर आए।


यमुनानगर। अपने कार्यालय में दीपावली पर्व की जिलेवासियों को शुभकामनाएं देते हुए उपायुक्त प्रीति।

अधिकृत विक्रेताओं से ही पटाखे खरीदें

वहीं, जिला पुलिस अधीक्षक कमलदीप गोयल ने भी जिलेवासियों को दीपावली पर्व की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि बच्चे ध्यानपूर्वक पटाखे चलाएं तथा जब बच्चे पटाखे चलाए तो परिवार का बड़ा सदस्य उनके साथ हो। उन्होंने कहा कि अधिकृत विक्रेताओं से ही पटाखे खरीदें। त्यौहार को सुरक्षित मनाने के लिए जिला पुलिस गश्त कर रही है। जिला प्रशासनिक अधिकारियों ने भी सभी जिला वासियों को दीपावली व आने वाले त्योहारों की बधाई दी।

कार्तिक माह में पुण्य कर्म करने से मिलती है सदगति : महाराज

हरिभूमि न्यूज ⏭ यमुनानगर

कार्तिक माह के अवसर पर घाढ़ क्षेत्र में चल रही कार्तिक कथा यज्ञ में तीसरे दिन शनिवार को कथाव्यास स्वामी रामनाथ महाराज ने मनुष्य के पुण्य कर्मों के महत्व को समझाया। कथाव्यास स्वामी रामनाथ महाराज ने फरमाया कि पुण्य कर्म करने से मनुष्य सदगति को प्राप्त करता है।

कथाव्यास स्वामी रामनाथ महाराज ने फरमाया कि कार्तिक माह एक ऐसा पुण्य कर्म करने लिए माह है। जिसमें मनुष्य पुण्य कर्म करने से सदगति को प्राप्त कर सकता है। उन्होंने कहा कि सूर्य वंश में राजा हरिश्चंद्र ने विपत्तियों को सहते हुए भी सत्य की पालना की। इसलिए मनुष्य को भी हर विपत्ति का सामना करते हुए सत्य को नहीं छोड़ना चाहिए। मनुष्य हर प्राणी के संयम की परीक्षा लेते हैं। इसलिए मनुष्य को हर परिस्थिति में भगवान पर भरोसा रखना चाहिए और अपना कर्म करना चाहिए। ऐसा करने से प्रभु उसकी पुकार अवश्य सुनते हैं चाहे इसके लिए उन्हें किसी अवतार के रूप में ही क्यों न आना पड़े।


यमुनानगर। घाढ़ क्षेत्र में चल रही कथा में प्रवचन सुनते श्रद्धालु।

50 से अधिक भट्टा मजदूरों के परिवारों को मिठाइयां, कपड़े व खाद्य सामग्री भेंट की

ईंट भट्टा परिवारों के सदस्यों के साथ मनाई दिवाली

रोटरी क्लब ने भट्टा मजदूरों के परिवारों को मिठाइयां, उपहार व भेंट की खाद्य सामग्री

हरिभूमि न्यूज ⏭ रादौर

अंतरराष्ट्रीय समाजसेवी संस्थान रोटरी क्लब द्वारा दीपावली पर्व के अवसर पर शहर स्थित भट्टा मजदूरों के परिवारों के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस दौरान भट्टा मजदूरों को उपहार व खाद्य सामग्री भेंट की गई। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रुप में जाट समाज के प्रधान एडवोकेट सुरेशपाल बंचल ने भाग लिया। वहीं, रोटरी क्लब के प्रधान भारत माटिया व इनरव्हील क्लब की प्रधान परमजीत कौर ने अध्यक्षता की। मुख्यातिथि एडवोकेट सुरेशपाल बंचल ने कार्यक्रम में क्लब की ओर से 50 से अधिक भट्टा मजदूरों के परिवारों को मिठाइयां, कपड़े व खाद्य सामग्री भेंट की गई। मजदूरो के बच्चों को पटाखे व खाने पीने की सामग्री भेंट की गई। वहीं कार्यक्रम में रोटरी क्लब रादौर के संस्थापक प्रधान पंडित ज्ञानप्रकाश शर्मा का केक काटकर 79 वां जन्मदिवस मनाया गया। इस अवसर पर प्रधान भारत माटिया व महिला प्रधान परमजीत कौर ने कहा कि क्लब की ओर से हर वर्ष दीपावली का पर्व भट्टा मजदूरों के परिवारों के साथ मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि मजदूर देश की रीढ की हड्डी हैं। जिनके द्वारा देश के निर्माण में दिया गया योगदान ऐतिहासिक रहा है।



यमुनानगर के रादौर में आयोजित कार्यक्रम में भट्टा मजदूरों के परिवारों को सामान भेंट करते हुए रोटरी व इनरव्हील क्लब के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर क्लब के पूर्व प्रधान डॉ. एससी सैनी, विपिन शर्मा, डॉ. सोनिया शर्मा, पूजा माटिया, नीलम बंचल, लीला रोहिला, डॉ.रिंकू शर्मा, नीलम वर्मा, पूजा सिंगला, नेहा अग्रवाल, मीनाक्षी कांबोज, कमलेश मिगलानी, कमल सैनी, सुदेश शर्मा, मोहनलाल अरोड़ा, देवीदयाल अरोड़ा, पूर्व प्रधान निर्मल सिंह, मोहित गर्ग, राजू गुप्ता व संदीप सैनी आदि मौजूद रहे।

दीपावली विशेषांक-कुरुक्षेत्र

आभार एवम् धन्यवाद



सभी विज्ञापन दाताओं, सहयोगियों व पाठकों का दिल से आभार

तरूण वधवा
कार्यालय प्रभारी, कुरुक्षेत्र
मो. 7206439650

विद्या भारती से संबंध एवं हिन्दू शिक्षा समिति, हरियाणा द्वारा संचालित

श्रीमद्भगवद्गीता वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रेलवे रोड़, कुरुक्षेत्र (सी.बी.एस.ई .से संबंध)



मोहिन्द्र पाल सिंगला
अध्यक्ष



विरेंद्र वालिया
प्रबन्धक

दीपावली एवम् भैया दूज की हार्दिक शुभकामनाएं



रमेश गुलाटी
कोषाध्यक्ष



अनिल मदान
प्राचार्य



राजकुमार वालिया
कुरुक्षेत्र



कंवलजीत कौर
चेयरपर्सन, जिला परिषद
कुरुक्षेत्र



रामेश्वर सैनी
प्रदेशाध्यक्ष,
सर्व समाज कल्याण सेवा समिति



पवन मित्तल
जिला कोर्डिनेटर
सेवा ट्रस्ट यूके (भारत)



डा. नरेन्द्र सिंह
डीआईपीआरओ
कुरुक्षेत्र



डा. कृष्ण श्योकंद
प्रधान, अंतरराष्ट्रीय
जाट धर्मशाला, कुरुक्षेत्र



गोपाल गुसा
प्रतिनिधि
शाहबाद



अभिषेक पूर्णिमा
प्रतिनिधि
पिहोवा

ST. PETER'S CONVENT SCHOOL

MOHAN NAGAR, KURUKSHETRA (HARYANA)
A Perfect Platform For Tiny-tots — Permanent Recognized
CBSE PATTERN

Happy Diwali

Wishing you a sparkling Diwali filled with joy and laughter..

Lets us begin healthy active, innovativeand successful childhood

Facilities

- CBSE Pattern with Playway Method.
- Hi-Tech Computer Lab.
- Trained and selected staff.
- Play and Art Gallery and smart Class.
- CCTV Cameras / SMS Facilities.
- RO Facilities for water.
- Microwave facilities for hot lunch.
- Fully Airy Class Rooms.
- Sports & Meditation Facilities.
- Transport Facilities.

DAY BOARDING FACILITY AVAILABLE

- NTSE Preparation
- Abacus Classes, Skating Rink
- Spoken English Classes
- Personality Development Classes
- Dance Classes
- Music Classes



For All Queries Contact School Office at 9.00 A.M. To 3.30 P.M.

Mob.: 90340-23620, 94162-23620, 70152-01927
E-mail : St.peterconvent@ymail.com Website : www.saintpeterconventschool.com

दीपावली एवम् भैया दूज की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं



राज्य शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित

मीनाक्षी शर्मा

संस्कृत अध्यापिका, राजकीय माध्यमिक विद्यालय
अजराना खुर्द, कुरुक्षेत्र

गुणवत्ता, विश्वास और देखभाल का गौरवपूर्ण क्षण

अग्रवाल डेंटल क्लिनिक

अब NABH प्रमाणित



कुरुक्षेत्र का पहला डेंटल क्लिनिक जिसे मिला यह प्रतिष्ठित सम्मान

NABH प्रमाणन यह सुनिश्चित करता है कि हमारे क्लिनिक में उपचार की गुणवत्ता, मरीजों की सुरक्षा और स्वच्छता के सभी राष्ट्रीय मानकों का पूरी तरह पालन किया जाता है।

आपकी मुस्कान हमारी प्रतिबद्धता

हमारी प्रमुख सेवाएँ

सामान्य दंत जाँच · दांतों की सफाई · डेंटल इंप्लांट · ऑर्थोडॉन्टिक (दांत सीधा करना) · दांत निकालना (एक्सट्रैक्शन)

हमारी विशेषताएँ

- उच्च गुणवत्ता वाली दंत चिकित्सा सेवाएँ
- रोगी सुरक्षा हमारी प्राथमिकता
- आधुनिक तकनीक और सर्वोत्तम उपकरण
- अनुभवी और विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम

पेट्रोल पंप के सामने, सेक्टर-17, पुराना बस अड्डा के पास, कुरुक्षेत्र, हरियाणा 136118

9896001916

स्वस्थ दांत, सुंदर मुस्कान, खुशहाल जीवन



दीपावली की हार्दिक शुभकामनाएँ

NABH ACCREDITED

SIDHARTH HOSPITAL

A MULTI SPECIALITY HOSPITAL

HEART CARE, MATERNITY, ULTRASOUND CENTRE & DIALYSIS CENTRE
Ladwa Road, Shahabad (M) Ph. 01744-242838, 244938, 89010-82838 Email : sidhar04@yahoo.co.in

Full Cashless and Empanelment :

- Ayushman Bharat
- ESI IPD Cashless
- ECHS
- TPA'S and Insurance
- Haryana Govt.

इन सभी का इलाज एवम् ऑपरेशन आधुनिक तकनीकों द्वारा मुफ्त (फ्री) किया जायेगा।

सिद्धार्थ अस्पताल हरियाणा सरकार पैनल (HR. Govt. Panel) पर अधिकृत (Authorised) है।

OPERATIONS

- Cholecystectomy (पित्ते की पथरी)
- Hysterectomy (बच्चेदानी के ऑपरेशन)
- Kidney Stones & Prostate (गुर्दे की पथरी प्रास्टेट के ऑपरेशन)
- Knee Transplant (घुटने बदलने)
- Hernia (हर्निया)
- Dialysis (डायलिसिस)

Speciality OPD's

Cardiology · Gastroenterology · Pulmonary Medicine · Infertility · ENT · Neuro Surgery · Dietitian · General medicine · General surgery · Urology · Nephrology including dialysis · Obstetrics and gynaecology, including high risk obstetrics · Orthopedic surgery · Anaesthesiology including critical care

- 24x7 ICU/Ambulance
- Trauma and Critical Care
- Ventilator Facility
- 65+ Modern Bed



किसी भी मेडीकल एमरजेन्सी में कॉल करें 89010 82838, 98127 25898



सभी देशवासियों को दीपावली एवम् भैया दूज की हार्दिक शुभकामनाएं





Amberstone Law Firm
Calgary Alberta



मधुसूदन बवेजा
एडवोकेट
जिला प्रधान किसान कांग्रेस, कुरुक्षेत्र
मो. 94160-35676, 9122600024

शुभांकर बवेजा
बैरिस्टर एंड सॉलिसिटर
Amberstone
M. +1 (403)966-3044



कुसुम सैनी
पार्षद, जिला परिषद वार्ड 10, कुरुक्षेत्र

सुरेंद्र सैनी भिवानीखेड़ा
जिलाध्यक्ष, कांग्रेस पिछड़ा प्रकोष्ठ कुरुक्षेत्र









दीपावली एवम् भैया दूज

की हार्दिक शुभकामनाएं



डा. जितेंद्र खटकड़
प्रधान
कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय शिक्षक संघ

दीपावली

एवम् भैया दूज की हार्दिक बधाई



गुलशन कुमार ग्रोवर
सुप्रसिद्ध समाजसेवी, कुरुक्षेत्र

पर्यावरण संरक्षण में जुटी सामाजिक संस्था

हम फाऊन्डेशन

कुरुक्षेत्र की ओर से

दीपावली एवम् भैया दूज की हार्दिक शुभकामनाएं



संजय चौधरी

aap AAM AADMI PARTY





दीपावली व भैया दूज की शुभकामनाएं



जवाहर लाल गोयल
अधिवक्ता, पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय चण्डीगढ़
एवं कुरुक्षेत्र जिला अध्यक्ष आम आदमी पार्टी

एसआईआर के दौरान प्रारम्भिक मतदाता सूची में शामिल नहीं हो पाए मतदाताओं को नाम जुड़वाने का नया अवसर

हरिभूमि न्यूज. अंबाला

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त सचिन गुप्ता ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा हरियाणा सहित सात राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में चल रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के अंतर्गत ऐसे मतदाताओं को अंतिम मतदाता सूची में अपना नाम शामिल करवाने का एक और अवसर प्रदान करने का निर्णय लिया गया है, जिन्हें गणना प्रपत्र (इन्यूमरेशन फॉर्म) जारी किए गए थे, लेकिन अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत एवं दोहरे (अब्सेंट, शिफ्टेड, डेड एंड डुप्लीकेट - एएसडीडी) के रूप में चिह्नित होने तथा गणना प्रपत्र वापस प्राप्त न होने के कारण जिनके नाम प्रारूप मतदाता सूची में शामिल नहीं हो पाए थे। उन्होंने यह बताया कि ऐसे सभी मतदाताओं की मतदान केन्द्रवार सूची संबंधित मतदान केंद्रों के नोटिस बोर्ड पंचायत भवनों शहरी स्थानीय निकाय कार्यालयों तथा खंड विकास अधिकारी, पंचायत अधिकारी व शहरी स्थानीय निकाय अधिकारियों के कार्यालयों में पुनः प्रदर्शित की जाएगी। इसके अतिरिक्त ये सूचिया मुख्य निर्वाचन अधिकारी हरियाणा की वेबसाइट पर पीडीएफ प्रारूप में भी उपलब्ध करवाई जाएंगी जिनमें नाम शामिल न होने के संभावित कारणों का उल्लेख होगा। उन्होंने यह भी बताया कि ऐसे सभी मतदाता अपने वर्तमान सामान्य निवास स्थान से संबंधित निर्वाचक पंजीयन अधिकारी व सहायक निर्वाचक पंजीयन अधिकारी (एईआरओ) के पास विधिवत भरा हुआ गणना प्रपत्र जमा करवा सकते हैं। मतदाता अपने पुराने एपिक नंबर के माध्यम से निर्वाचन आयोग की वेबसाइट अथवा इसिनेट ऐप से भी अपना गणना प्रपत्र डाउनलोड एवं भर सकेंगे। यदि मतदाता उसी स्थान पर रह रहा है, यदि संबंधित मतदाता ने अपना निवास स्थान नहीं बदला है तो वह भरा हुआ एवं हस्ताक्षरित गणना प्रपत्र तथा निर्धारित घोषणा पत्र (अनुलग्नक-बी) जमा करवा सकता है। इसमें पहले गणना प्रपत्र जमा न कर पाने का कारण बताना होगा। यह प्रपत्र संबंधित ईआरओ/एईआरओ/बीएलओ के पास स्वयं अथवा परिवार के किसी सदस्य के माध्यम से जमा करवाया जा सकता है। ऑनलाइन प्रपत्र जमा करवाने की सुविधा भी इसिनेट पर ई-साइन के माध्यम से उपलब्ध होगी। यदि मतदाता हरियाणा में ही किसी अन्य स्थान पर स्थानांतरित हो गया है, ऐसे मतदाताओं को फॉर्म-8 जमा करवाने की आवश्यकता नहीं होगी। उन्हें नए पते और विधानसभा क्षेत्र का विवरण देते हुए गणना प्रपत्र के साथ निर्धारित घोषणा पत्र (अनुलग्नक (सी) तथा निवास प्रमाण प्रस्तुत करना होगा तथा वर्तमान विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के एरो/एयरो के पास यह प्रपत्र जमा करवाया जा सकता है। मतदाता नए मतदान केंद्र के बीएलओ से भी सहायता प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए निर्वाचन आयोग की वेबसाइट/इसिनेट ऐप पर उपलब्ध बुक कॉल विथ बीएलओ सुविधा का उपयोग किया जा सकता है। बेघर व्यक्तियों के पास निवास प्रमाण से संबंधित कोई दस्तावेज उपलब्ध न होने की स्थिति में बीएलओ की फील्ड वेरिफिकेशन रिपोर्ट पर्याप्त होगी। जिन मतदाताओं ने एसआईआर के दौरान नए पंजीकरण के लिए पहले ही फॉर्म 6 जमा करवा दिया है, उन्हें दोबारा गणना प्रपत्र एवं घोषणा पत्र जमा करवाने की आवश्यकता नहीं होगी। प्राप्त गणना प्रपत्रों एवं संबंधित घोषणाओं का एरो द्वारा निर्वाचक पंजीकरण नियम, 1960 के नियम 21 (1) के तहत निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार सत्यापन एवं निस्तारण किया जाएगा।







